संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -317 बुधवार ,20 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महिला आरक्षण बिल लागू करने में दो अहम रोड़े

नई दिल्ली,19 सितम्बर, 2023(ए)।

कोलकाता लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में महिलाओं के लिए एक तिहाई या 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने वाला बिल 19 सितंबर यानी आज संसद भवन में गूंजा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्रीय कैबिनेट द्वारा लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश किया गया। खास बात यह रही कि कांग्रेस ने भी इस बिल का समर्थन किया।

इस बिल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम दिया गया। अब इसे राज्यसभा में पेश किया जाएगा। उम्मीद यह जताई गई है कि बिल पास होकर विधेयक का रूप ले लेगा। लेकिन, सभी के जहन में यह सवाल है कि कब से लागू होगा? इसका लाभ कब से मिलेगा?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नारी शक्ति वंदना अधिनियम नाम के इस बिल में कहा गया है कि महिलाओं के लिए आरक्षण नवीनतम

जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद लागू होगा, जो दर्शाता है कि बदलाव 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद लागू हो सकते हैं। मतलब साफ है कि महिला आरक्षण बिल के पारित होने के बाद लागू होने में दो अहम रोड़े हैं।

बिल लागू होने के रोड़े जनगणना और परिसीमन

1881 में पहली समकालीन जनगणना देश में हुई थी। देश में अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी। महिला आरक्षण बिल लागू होने से पहले नवीनतम जनगणना होनी है। लेकिन, 2021 की जनगणना ही अभी तक नहीं हुई है। 2026 के बाद 2031 की जनगणना होनी है। उसके बाद लोकसभा सीटों का परिसीमन

2024 के चुनाव से पहले लागू होने की संभावना नहीं

होने की उम्मीद है। जिससे साफ है कि 2024 क्या, 2029 के लोकसभा चुनावों के समय भी महिला आरक्षण लागू होने का सपना अधूरा ही रह जाएगा। यानी कि महिलाओं को आरक्षण के लिए 2029 के लोकसभा चुनावों का इंतजार करना होगा?

क्या होता है परिसीमन?

परिसीमन, संसदीय या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने की प्रक्रिया है। सीटें आवंटित की जाए, दूसरे शब्दों में जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधि हों। इस प्रक्रिया को करने लिए, संविधान के अनुसार जनगणना (एक सर्वेक्षण के माध्यम से जनसंख्या की आधिकारिक गणना) के बाद किया जाना चाहिए।

राजीव गांधी ने पेश किया था महिलाओं के आरक्षण का विधेयक

संविधान 108वां संशोधन विधेयक, 2008 में महिलाओं के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं में सीटों की कुल संख्या का एक तिहाई या 33 प्रतिशत आरक्षित करने का प्रावधान करता है। यह मई 1989 में था, जब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था।

हालांकि, यह सितंबर 1996 में ही हुआ था, जब तत्कालीन देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली संयुक्त मोर्चा सरकार ने संसद में महिलाओं के आरक्षण के लिए पहली बार 81वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया था। लोकसभा में विरोध का सामना करते हुए, विधेयक को संयुक्त संसदीय पैनल के पास भेजा गया। हालांकि, 1996 में संसद भंग हो गई और विधेयक समाप्त हो गया। यह विधेयक अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा 1998, 1999, 2002 और 2003 में फिर से पेश किया गया। लेकिन, पारित होने में विफल रहा। पांच साल बाद, विधेयक को 2008 में मनमोहन सिंह सरकार द्वारा फिर से पेश किया गया, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फरवरी 2010 में इसे मंजूरी दे दी और राज्यसभा ने 9 मार्च 2010 को इसे पारित कर दिया। हालांकि, विधेयक को लोकसभा में कभी चर्चा के लिए नहीं रखा गया। 2014 में इसके विघटन के बाद यह अंततः निचले सदन में समाप्त हो गया। महिला आरक्षण विधेयक 2014 और 2019 में भी बीजेपी के घोषणापत्र का हिस्सा था

मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर उजैर खान

जम्मू-कश्मीर,19 सितम्बर, 2023(ए)।

अनंतनाग में आतंकियों के साथ चल रही मुठभेड़ खत्म हो गई है. सुरक्षाबलों ने तीन अधिकारियों की शहादत का बदला ले लिया है. कोकरनाग के पीर पंजाल की पहाड़ियों पर छिपे लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर उजैर खान को ढेर कर दिया है. सुरक्षा बलों ने उजैर खान के साथ एक आतंकी का शव बरामद किया है. जम्मू-कश्मीर के एडीजीपी पुलिस विजय कुमार ने बताया, ÷लश्कर कमांडर उजैर खान को मार दिया गया है. उसके हथियार भी बरामद कर लिए गए हैं. उजैर के साथ एक और आतंकवादी का शव भी बरामद हुआ है. अनंतनाग के कोकरनाग में चल रही मुठभेड़ खत्म हो गई है।

खालिस्तान मामले में भारत का एक्शन

»कनाडा के राजनयिक को देश से निकाला, राजदूत को किया तलब

नई दिल्ली,19 सितम्बर, 2023(ए)।

खालिस्तान के मामले में कनाडा और भारत के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कनाडा ने भारतीय राजनयिक को देश से निकलने का आदेश दिया था और उसके जवाब में भारत ने भी कड़ा ऐक्शन लिया है। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के राजदूत को तलब किया और फिर एक सीनियर डिप्लोमैट को देश छोड़ने का आदेश दिया है।

कनाडा के डिप्लोमैट को अगले 5 दिनों के अंदर भारत से लौटने को कहा गया है। भारत सरकार का कहना है कि कनाडा अपनी धरती पर

खालिस्तानियों की हरकतों पर लगाम कसने में असफल रहा है। यही नहीं खुलेआम उनकी हिमायत भी की है। डिप्लोमैट को देश से निकालने से पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के राजदूत कैमरून मैकके को तलब किया था।

इसी मामले पर पीएम नरेंद्र मोदी ने जी-20 समिट से इतर कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात में आपत्ति जताई थी। हालांकि जस्टिन ट्रूडो जब कनाडा पहुंचे तो उनके तेवर ही बदले नजर आए। अपने देश पहुंचकर ट्रूडो ने संसद में दावा किया कि उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का मामला उठाया था।

भारत निज्जर को खालिस्तानी आतंकी मानता रहा है, लेकिन उसकी हत्या में किसी भी तरह से हाथ होने से इनकार किया था। वहीं कनाडा के पीएम ने कहा था कि हमारे पास इसके पुख्ता सबूत हैं कि निज्जर की हत्या से भारतीय एजेंसियों का लिंक था।

नहीं चलेगा खालिस्तान पर कोई बहाना

हालांकि भारत सरकार की ओर से यह नहीं बताया गया है कि कनाडा के किस डिप्लोमैट को देश से बाहर जाना होगा। इस फैसले से साफ है कि खालिस्तान के मामले में भारत किसी भी तरह से समझौते को तैयार नहीं है और यदि कनाडा अतिवादी तत्वों पर लगाम नहीं कसता है तो फिर कड़ा जवाब दिया जाएगा।

धार्मिक संत हुआ गिरफ्तार

» बीजेपी विधायक टिकट घोटाले में हुई कार्रवाई

कर्नाटक,19 सितम्बर, 2023(ए)।

कर्नाटक सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की स्पेशल विंग के अधिकारियों ने ओडिशा में भाजपा विधायक टिकट घोटाले के सिलसिले में फरार धार्मिक संत अभिनव हलश्री को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी चैत्रा कुंडपुरा एक हिंदू कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने हिरासत में रहते हुए मीडिया से कहा था कि एक बार अभिनव हलश्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा, तो घोटाले के संबंध में भाजपा में बड़ी मछलियों की संलिप्तता सामने आ जाएगी। 10 दिन बाद भी संत की गिरफ्तारी न होने से जांच पर सवाल खड़े होने लगे।

पुलिस के मुताबिक, संत को सोमवार रात स्थानीय पुलिस की मदद से ओडिशा के कटक शहर से गिरफ्तार किया गया। संत भुवनेश्वर शहर से बोधगया जाने वाली ट्रेन में यात्रा कर रहा था। आरोपी संत को बेंगलुरु लाया जाएगा। हलश्री पर उद्योगपति गोविंद बाबू पुजारी से दक्षिण कन्नड़ जिले के बेंदुरु विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक का

टिकट दिलाने का वादा करके 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। उसने घोटाले की मुख्य आरोपी चैत्र कुंडपुरा के साथ एक गिरोह बनाया। सूत्रों ने बताया कि हलश्री ने भगवा पोशाक छोड़कर टी-शर्ट पहन रखी थी और एक सामान्य व्यक्ति की तरह ट्रेन में यात्रा कर रहा थे। 12 सितंबर को कुंडपुरा की गिरफ्तारी के बाद वह गायब हो गया था। पीड़ित ने 8 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी। जब कुंडपुरा को उडुपी में गिरफ्तार किया गया तो वह एक बैठक में भाग ले रहा था और वह कार्यक्रम छोड़कर छिप गया। वह काशी पहुंचने की योजना बना रहा था। वह हैदराबाद, फारूकाबाद, पुरी और कोणार्क गया था। जांच से पता चला है कि आरोपी संत ने कृषि भूमि खरीदी थी और एक पेट्रोल बंक में भी निवेश किया था। इस बीच, उडुपी की कुंडपुरा के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ता सुधीन ने कोटा पुलिस स्टेशन में एक और एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि कुंडपुरा ने शिकायतकर्ता से उसके लिए एक दुकान बनवाने का वादा करके 5 लाख रुपये लिए थे। जब उनसे इस बारे में कहा गया तो कुंडपुरा ने उसे झूठे बलात्कार और हत्या करने की धमकी देने के मामले में फंसाने की धमकी दी थी। पुलिस ने आईपीसी की धारा 506, 417 और 420 के तहत मामला दर्ज किया है।

फाइनेंस कंपनी की दबंगई

» हथियार के साथ उपभोक्ता के घर पहुंच कर की गुंडागर्दी

» अपहरण का प्रयास भी, परिवार दहशत में

सीहोर,19 सितम्बर, 2023(ए)।

जिले के इछावर में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों की गुंडा गर्दी का मामला सामने आया है। जहां हथियार लेकर उपभोक्ता के घर पहुंच कर मारपीट करने एवं अपहरण करने का प्रयास किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, लोन की किस्त जमा नहीं करने पर फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी उपभोक्ता के घर हथियार लेकर पहुंचे। जहां कर्मचारियों ने जमकर गाली गलौज

करने के साथ अपहरण करने का प्रयास किया। वहीं कंपनी के कर्मचारियों ने हथियार से उपभोक्ता की पत्नी को भी धमकाया।

पीड़ित राकेश ने बताया कि, वो दिवाडिया स्थित दुकान पर था तभी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी बंदूक कट्टे के साथ आए और मारपीट कर अपहरण करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, मुझे ग्रामीणों ने बचाया। मैं अपनी पारिवारिक स्थिति के करण किश्त जमा नहीं कर पाया था। पीड़ित ने कहा कि मेरी जान को खतरा है मेरे साथ बहुत ही अमानवीय व्यवहार किया है।

वहीं पीड़ित ने मामले में कार्रवाई को लेकर इछावर थाना सहित एसपी मयंक अवस्थी को भी आवेदन दिया है। मामले में एसपी मयंक अवस्थी ने थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश कार्रवाई करने के लिए कहा है।

दुर्गापुर में सरकारी दफ्तर में भीषण आग,कई महत्वपूर्ण फाइलें हुई नष्ट

कोलकाता ,19 सितम्बर, 2023(ए)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दवान जिले के प्रमुख औद्योगिक टाउनशिप दुर्गापुर में आसनसोल-दुर्गापुर विकास प्राधिकरण (एडीडीए) के मुख्य कार्यालय में आग लगने से कई महत्वपूर्ण फाइलें नष्ट होने की आशंका है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि आग मंगलवार सुबह करीब 2.30 बजे देखी गई, जिसके बाद उन्होंने अग्निशमन सेवा कार्यालय को सूचित किया।

जब तक दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, तब तक आग ने भयावह रूप ले लिया और पूरे कार्यालय को अपनी चपेट में ले लिया।

सौभाग्य से, आग तड़के लगी जब वहां कोई नहीं था। सुबह करीब 9 बजे आग पर काबू पा लिया गया। मंगलवार को 11 दमकल गाड़ियों की घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई गई। हालांकि, आग लगने के बाद इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या आग दुर्घटनावश लगी थी या इसके पीछे किसी तरह की साजिश है ताकि कुछ महत्वपूर्ण और गोपनीय फाइलें आग में नष्ट हो जाएं। रानीगंज से तृणमूल कांग्रेस विधायक तापस बंदोपाध्याय के अनुसार, कितना नुकसान हुआ है, इसका पता बाद में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, हम मामले की उच्च स्तरीय जांच करेंगे।

राज्य अग्निशमन सेवा विभाग के संभागीय अधिकारी सुवरांशु मजूमदार के अनुसार, आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

एमपी में फिर लव जिहाद

» दुष्कर्म के बाद कराया गर्भपात

» नवजात के शव को लेकर पिता पहुंचा थाने, आरोपी अरेस्ट

कटनी,19 सितम्बर, 2023(ए)।

मध्यप्रदेश में फिर लव जिहाद का मामला सामने आया है। इस बार मामला कटनी जिले का है, जहां आरोपी ने युवती को फंसाकर दुष्कर्म किया। गर्भवती हो जाने के बाद गर्भपात करा दिया। गर्भपात के बाद मामला का खुलासा हुआ। पिता नवजात के शव को लेकर थाने पहुंचा तब स्लीमनाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मरे बच्चे को जन्म देने के बाद में लव जिहाद का मामला सामने आया है जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल मामला मध्य प्रदेश के कटनी जिले के स्लीमानाबाद थाना अंतर्गत

लखनवारा गांव का है जहां पर सलमान नामक युवक ने अपना हिंदू नाम बताकर लड़की को प्रेम जाल में फंसाया। फिर उसके साथ 6 महीने तक दुष्कर्म करता रहा। जब लड़की गर्भपात कराया तो पिता को इसकी जानकारी लगी। उन्होंने नवजात (भ्रूण) के शव को थाने ले जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया ने बताया कि पीड़ित द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत में बताया गया है कि 10 मार्च को युवती देवरी गांव गई हुई थी जहां उसकी मुलाकात सलमान खान नामक युवक से हुई थी। मुलाकात के बीच आरोपी ने नाम बदल कर प्रेम जाल में पीड़ित को फंसा कर दुष्कर्म किया। अपना नाम सलमान कुशवाहा बताया था। लड़की जब गर्भवती हो गई तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। मामला पंजीबद्ध कर भ्रूण का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

गोंडवाना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा में शामिल

छिंदवाड़ा,19 सितम्बर, 2023(ए)। कांग्रेस के गढ़ छिंदवाड़ा में कमलनाथ को घेरने में जुटी बीजेपी को एक बड़ी सफलता मिली है। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले बीजेपी ने आदिवासियों में खासी पैठ रखनेवाली गोंडवाना पार्टी को तोड़ने में कामयाबी हासिल कर ली। इसी के साथ अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मोनिका शाह बट्टी को झटके में शामिल कर लिया गया है।

मंगलवार को उन्होंने सीएम शिवराजसिंह चौहान के समक्ष बीजेपी की सदस्यता ली।

आज अखिल भारतीय गोंडवाना की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक मनमोहन शाह भट्टी की बेटी मोनिका बट्टी ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष भाजपा की सदस्यता ले ली।

हर किसी को अपना जीवनसाथी चुनने का हक है

चाहे किसी भी धर्म का हो' हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली,19 सितम्बर, 2023(ए)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी व्यक्ति के जीवन साथी चुनने के अधिकार को आस्था और धर्म के मामलों तक सीमित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि शादी करने का अधिकार मानवीय स्वतंत्रता है और जब इसमें वयस्कों की सहमति शामिल हो तो इसे राज्य, समाज या माता-पिता द्वारा निर्धारित नहीं किया जाना चाहिए। यह टिप्पणी तब आई, जब न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने महिला के परिवार से धमकियों का सामना कर रहे एक जोड़े को सुरक्षा दी।

क्या अधिकार देता है अनुच्छेद 21

इस बालिग जोड़े ने अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध, विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत विवाह किया, जिसके कारण उन्हें लगातार धमकियां मिलती रहीं। अदालत ने कहा कि अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का

अभिन्न अंग है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि व्यक्तिगत पसंद, विशेष रूप से विवाह के मामलों में, अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। न्यायमूर्ति बनर्जी ने कहा कि महिला के माता-पिता जोड़े के जीवन और स्वतंत्रता को खतरे में नहीं डाल सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने व्यक्तिगत निर्णयों और विकल्पों के लिए सामाजिक अनुमोदन की जरूरत नहीं है। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जोड़े को एक बीट कांस्टेबल और एसएचओ की संपर्क जानकारी प्रदान करें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जानबूझकर संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता

वहीं एक अन्य मामले में भी हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया है कि जीवनसाथी का जानबूझकर संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता है। कोर्ट ने इस मामले में एक दंपती को मिले तलाक के आदेश को बरकरार रखा है। इस दंपति की शादी महज 35 दिन ही चली थी। वहीं एक दूसरे मामले में हाईकोर्ट की तरफ से अंतरधार्मिक जोड़े की याचिका पर सुनवाई की गई। जिसमें कहा गया कि जीवनसाथी का चयन आस्था, धर्म से प्रभावित नहीं हो सकता है।

मूर्ति विसर्जन करने गई पांच बच्चियां तालाब में डूबीं

नालंदा ,19 सितम्बर, 2023(ए)। बिहार में नालंदा जिला के रहुई थाना क्षेत्र के सोसंदी पंचायत में हरितालिका तीज के मौके पर मूर्ति विसर्जन करने गई पांच बच्चियों तालाब में डूब गई, जिससे दो बहनों की डूबने से मौत हो गई तथा तीन बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि तीज पर्व को लेकर रहुई के सोसंदी पंचायत में पूजा का आयोजन किया गया था।

इसी को लेकर गांव के बच्चियां मूर्ति का विसर्जन करने के लिए डोमिनिया खंधा गए हुए थे। मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में पानी की गहराई ज्यादा होने के कारण पांच बच्चियों डूबने लगी। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने तीन बच्चियों को तो बचा लिया लेकिन दो बच्चियों को पानी ज्यादा गहरा होने के कारण बचाया नही जा सका।

सूत्रों ने बताया कि मृतक बहनों की पहचान रहुई निवासी जयगोविंद बिंद की 10 वर्षीय पुत्री जुली कुमारी और लंबू बिंद की आठ वर्षीय पुत्री ज्योति कुमारी के रूप में हुई है। फिलहाल स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों बहनों के शवों को बाहर निकाल लिया गया है।

संपादकीय

निशाना प्यादों पर ही क्यों?

इंडिया ने नफरती एंकर कहा है, वे अगर वर्षों से ऐसा कार्य कथित रूप से करते रहे हैं, तो क्या इसके लिए सिर्फ वे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं? या ऐसा करने का मंच उन्हें मीडिया घराने ने उपलब्ध कराया है?

लोकतंत्र में आदर्श स्थिति तो यही होगी कि मीडिया को स्वतंत्र ढंग से काम करने का मौका मिले। पत्रकारों को खबरों की अंदर तक पड़ताल करने और सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर बैठे लोगों से हमेशा निर्भय होकर सवाल करने के अवसर मिलें, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के सफल संचालन की अनिवार्य शर्त है। इसीलिए पत्रकारों और मीडिया घरानों को लोकतांत्रिक देशों में विशेष महत्व दिया जाता है- और उन्हें कुछ अतिरिक्त सुविधाएं भी मिलती हैं। लेकिन जब खुद मीडिया घराने और पत्रकार अपनी अपेक्षित भूमिका के विपरीत कार्य करने लगें, वे किसी पार्टी विशेष की तरफ से काम करते दिखने लगें और सरकारी एवं सत्ता पक्ष के नैरेटिव का भोंपू बन जाएं, सिर्फ विपक्ष से लोकतांत्रिक कसौटियों के पालन की अपेक्षा उचित नहीं होगी। टीवी चैनलों के 14 एंकरों के शो का बहिष्कार करने के विपक्षी गठबंधन इंडिया के फैसले को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। हालांकि यह स्थिति अफसोसनाक है, लेकिन बात के इस हद तक पहुंचने के लिए इंडिया गठबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

दरअसल, विपक्ष के इस कदम ने भारत में चल रही पक्षपाती पत्रकारिता की बढ़ती चली गई समस्या को रेखांकित किया है। क्या इस सच को नजरअंदाज किया जा सकता है कि गुजरे नौ वर्षों में मुख्यधारा के लगभग लगभग सभी हिंदी और अंग्रेजी टीवी न्यूज चैनल एकतरफा ढंग से काम करते रहे हैं। इसके बावजूद विपक्ष के इस कदम पर कुछ ठोस सवाल हैं। मुद्दा यह है कि जिन्हें इंडिया ने नफरती एंकर कहा है, वे अगर वर्षों से ऐसा कार्य कथित रूप से करते रहे हैं, तो क्या इसके लिए सिर्फ वे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं? या ऐसा करने का मंच उन्हें मीडिया घराने ने उपलब्ध कराया है? यह मंच उपलब्ध कराने के पीछे मीडिया मालिकों की क्या भूमिका या स्वार्थ रहे हैं, क्या बिना उन पर ध्यान दिए जो मीडिया माहौल बना है, उसका कोई समाधान ढूंढा जा सकता है? अगर इस समस्या को उसके पूरे संदर्भ में देखें, तो यह महसूस होगा कि विपक्ष ने सॉफ्ट टारगेट्स पर ही निशाना साधा है। वे इस मसले के असल जिम्मेदारों की पहचान करने तक से ठिठक गए हैं।

जी-20,सनातन और हिंदी पर चुनाव

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का एजेंडा और मुद्दे तय हो गए हैं। जी-20 का शिखर सम्मेलन बड़ा मुद्दा होगा। उसके बाद सनातन पर छिड़ी बहस का मुद्दा है और हिंदी का मुद्दा है। इसके अलावा बाकी मुद्दे भी होंगे लेकिन चुनाव से ठीक पहले ये तीन मुद्दे हाईलाइट हुए हैं। इन्हे भाजपा व्यापक रूप से उठाने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के बीना और छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में विधानसभा चुनाव का आगाज करते हुए ये मुद्दे उठा कर संकेत दे दिया है कि इसी पर राजनीति होनी है। हालांकि बड़ा सवाल है कि चुनाव वाले पांच राज्यों में शासन, कामकाज, जातीय समीकरण और स्थानीय राजनीति के ऊपर ये मुद्दे कितना असर डाल पाएंगे? क्या भाजपा को इनका लाभ मिलेगा? क्या वह इन मुद्दों के आधार पर मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी माहौल को खत्म कर पाएगी? राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में सरकारों के खिलाफ क्या सत्ता विरोधी माहौल बना पाएगी?

ध्यान रहे कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रिपरिषद की बैठक की थी, जिसमें उन्होंने पार्टी के नेताओं और मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे सनातन धर्म पर हो रहे हमले का जवाब दें। हालांकि इसके बाद किसी बड़े नेता की ओर से कोई ऐसा जवाब नहीं आया, जिससे लगे कि पार्टी उदयनिधि स्टालिन और ए राजा की ओर से सनातन पर किए गए हमले का जवाब दे रही है। तभी प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कमान संभाली। उन्होंने मध्य प्रदेश के बीना रिफाइनरी में एक बड़े प्रोजेक्ट की आधारशिला रखने के बाद रैली में यह मुद्दा उठाया और कहा कि विपक्षी पार्टियों का 'घमंडिया' गठबंधन सनातन धर्म को अपमानित करने और इसे समाप्त करने के लिए बना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां सनातन धर्म को खत्म करके देश को फिर से हजार साल की गुलामी के दौर में धकेलने का काम कर रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे विपक्ष के इस एजेंडे का जवाब दें। प्रधानमंत्री ने सनातन का विवाद शुरू होने से पहले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से अपने भाषण में हजार साल की गुलामी का मुद्दा उठाया था। अब वे कह रहे हैं कि सनातन कमजोर हुआ तो देश फिर से हजार साल की गुलामी में फंस जाएगा। हजार साल की गुलामी का मतलब मुस्लिम और अंग्रेज शासकों की गुलामी से है। हालांकि भाजपा के नैरेटिव में गुलामी मतलब हमेशा मुस्लिम शासकों की गुलामी से होता है। सो, सनातन को बचा कर देश को हजार साल की गुलामी में जाने से रोकने की बात का मतलब यह है कि विपक्ष मुस्लिम शासन चाहता है, जबकि भाजपा रही तो सनातन बचा रहेगा और देश मुसलमानों का गुलाम नहीं होगा।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने बहुत जोरदार ढंग से जी-20 शिखर सम्मेलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह भारत के बड़े सामर्थ्य का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने लोगों से सवाल पूछा कि जी-20 के आयोजन से गर्व की अनुभूति हुई या नहीं? सबने हाथ उठा कर जवाब दिया कि उन्हें इस पर गर्व हुआ। ध्यान रहे भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव से पहले हुए पुलवामा कांड और सर्जिकल स्ट्राइक के नाम पर राष्ट्रवाद का मुद्दा बहुत प्रभावी तरीके से इस्तेमाल कर चुकी है। इस बार राष्ट्रवाद का मुद्दा जी-20 के जरिए उठाया जा रहा है। बहुत व्यवस्थित तरीके से देश के लोगों को बताया जा रहा है कि भारत अब दुनिया का नेता बन गया है। प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कहा कि भारत विश्वमित्र बन गया है, जबकि विपक्षी पार्टियां विभाजन का काम कर रही हैं। सो, सनातन के बाद जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन पांच राज्यों के चुनाव में बड़ा मुद्दा होगा।

तीसरा बड़ा मुद्दा भारत और इंडिया की बहस का है, जिसमें अपने आप हिंदी जुड़ गई है। विपक्षी गठबंधन के 'इंडिया' नाम रखने के बाद से ही भाजपा इसकी काट खोज रही थी। वह काट भारत में मिल गई है। व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में बताया जा रहा है कि दुनिया के किसी देश का नाम दो भाषाओं में अलग अलग नहीं है तो फिर हमारे देश का नाम हिंदी और अंग्रेजी में अलग अलग क्यों होना चाहिए? इसके साथ ही यह बताया जा रहा है कि 'इंडिया' का मतलब अंग्रेजी बोलने वाले, शहरी और बाहरी ताकतों से संचालित होने वाले लोग हैं, जबकि भारत बोलने वाले बहुसंख्यक लोग भारतीय हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन में हर जगह भारत लिखा और बोला गया। अब खबर है कि सरकारी कामकाज में अंग्रेजी में भी भारत ही लिखा जा रहा है।

पिछले दिनों भारत सरकार ने आईपीसी, सीआरपीसी और इविडेंस एक्ट बदलने के लिए तीन विधेयक संसद में पेश किए। आईपीसी का नाम भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी का नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इविडेंस एक्ट का नाम भारतीय साक्ष्य अधिनियम रखने का प्रावधान किया गया है। दक्षिण भारत के राज्यों के विरोध के बावजूद केंद्र सरकार ने भारत और हिंदी दोनों को अपनाया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने अब कहा है कि हिंदी के जरिए सभी क्षेत्रीय भाषाओं के साथ बेहतर तालमेल बनता है। ध्यान रहे राजभाषा विभाग भी उन्हीं के अधीन आता है। इस बीच 14 सितंबर को हिंदी दिवस के मौके पर कई देशों के राजदूतों और दूतावासों ने हिंदी में ट्विट किए। इजराइल के राजदूत ने तो वीडियो शेयर किया, जिसमें दूतावास के कर्मचारी हिंदी फिल्मों के लोकप्रिय डायलॉग बोल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के राजदूत ने हिंदी के मुहावरे शेयर किए। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इजराइल के ट्विट का जवाब अमिताभ बच्चन के एक मशहूर डायलॉग से जवाब दिया। भाजपा के राज में हिंदी की ताकत बढ़ने का नैरेटिव अंततः चुनाव में इस्तेमाल होगा। सो, इसे संयोग कहें या लंबी प्लानिंग कहें लेकिन यह हकीकत है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले जी-20 का शिखर सम्मेलन हुआ, जिसका डंका अभी तक बज रहा है। चुनावों से पहले तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म पर हमला किया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने तत्काल लपक लिया और विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखा, जिसके जवाब में भाजपा को भारत की राजनीति करने का मौका मिला।

-हरिशंकर व्यास-

समाधि

आज देख रहा शमशान को,मनुष्य के देह बेजान को।
कोई समाधि बने पड़े हैं अनेको मिट्टी में गड़े हैं।
किसी के चिता से धुआँ उठ रहा
कोई निश्चित होकर सूत रहा
यहाँ न कोई पूंजीपति है,
न कोई दरिद्र जन
निज लोग ही जला रहे,
जिसे दिया वह अपनापन
इस दृश्य से ख्याल आ रहा,
कोई अपना न पराया
जो जीते जी चिंगारी से डरते थे,
उन्हे दाग़ों से छल्ली कर डाला
और यहाँ अनेकों मठ बने हैं
जो जर्जर सा पड़े हैं
पाहन की पूजा पाहन करे,
जीवितों को तो लठ पड़े हैं।
कोई यहाँ न छोटे-बड़े,
दरिद्र-धनी का झमेला खड़े हैं।
छल प्रपंच न छुआछूत,
फिर एक-दूजे से क्यों लड़े हैं?
एक समाधि ज्ञान की,
दूजा होती निर्वाण की।
मृत्यु के बाद की किसको चिंता,भरे टोकरी अज्ञान की।
जिनके कर्म अच्छे होते,
नाम जग में रह जाते हैं
कुकर्मियों की जमात,मृत्यु के बाद भी गाली खाते हैं।।
इस मसान से सीखों जग,
जन्म-मरण एक समान है।
भेदभाव जिसने बनाया,
स्वार्थी-लोभी वह इंसान है।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चाम्पा (छत्तीसगढ़)

गणपति आए द्वार

हे विघ्नविनाशक,बुद्धिप्रदायक,
नीति-ज्ञान बरसाओ ।
गहन तिमिर अज्ञान का फैला,नव
किरणें बिखराओ।।
कदम-कदम पर अनाचार है,
झूठों की है महफिल
आज चरम पर पापकर्म है,
बढ़े निराशा प्रतिफल
एकदंत हे ! कपिल-गजानन,अग्नि-
ज्वाल बरसाओ ।
गहन तिमिर अज्ञान का फैला,नव
किरणें बिखराओ ।।
मोह,लोभ में मानव भटका,
भ्रम के गड्ढे गहरे
लोभी,कपटी,दम्भी हंसते
हैं विवेक पर पहरे
रिद्धि-सिद्दि तुम संग में लेकर,नवल
सृजन सरसाओ।
गहन तिमिर अज्ञान का फैला,नव
किरणें बिखराओ ।।
जीवन तो अब बोझ हो गया,
तुम वरदान बनाओ
नारी की होती उपेक्षा,
आकर मान बढ़ाओ
मंगलदायी, हे ! शुभकारी,अमिय
आज बरसाओ ।
गहन तिमिर अज्ञान का फैला,नव
किरणें बिखराओ ।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

-प्रो.शरद नारायण खरे
मंडला
मध्यप्रदेश

शुभदायी गणेशोत्सव

मास भाद्रपद चतुर्थी का,
पावन पुण्य महोत्सव है।
प्रथम पूज्य गौरीनन्दन का,
शुभदायी गणेशोत्सव है।।
संकट जो क्षण में नाश करें,
हर विघ्नों का विनाश करें।
शुभ-लाभ सदा जो देते है,
मम बुद्धि का विस्तार करें।
दिन-दुखियों के जो दाता है,
जन-जन के भाग्य विधाता हैं।
ऋद्धि-सिद्धि का वर देनेवाले,
त्रैलोक्य जगत विख्याता है।
प्रिय भोग जिनका मोदक है,
मानवता के जो द्योतक है।
सुख-शान्ति प्रदान करनेवाले,
प्रतिपल भक्तों के पोषक है।
मानव मूढ़ हम अज्ञानी है,
तव अतुलित तेज कहानी है।
सुख-समृद्धि हमें प्रदान करें,
राजीव को विनती यहीं दुहरानी है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राजीव नंदन मिश्र
शाहपुर भोजपुर
बिहार

खुदीराम बोस:सबसे कम आयु में फांसी पर चढ़ा क्रांतिकारी

1 मई,1908 का प्रातःकाल

उस दिन सूरज कुछ जल्दी ही उगा आया था। पक्षियों ने अपने घोंसले छोड़ दाना-पानी की तलाश में उड़ान भर ली थी। आमजन अपने घर एवं खेती-बाड़ी के दैनंदिन कार्यों में जुट गये थे। भोर की सुखद मलय बयार में चढ़ती धूप की तपिश घुलने लगी थी। आसमान में सूरज अभी एक लाठी ऊपर ही चढ़ा था। वनी स्टेशन पर यात्री अपनी-अपनी ट्रेनों की प्रतीक्षा में थे। स्टेशन की दुकानों की भट्ठियों में पड़ा कोयला धधकने को था कि तभी भूख-प्यास से बेहाल, श्रमक्लांत लथपथ एक किशोर ने एक दुकानदार से पीने हेतु पानी मांगा। दुकान में ग्राहकों द्वारा पढ़े जा रहे अखबार की सुर्खियों पर परस्पर टिप्पणियां हो रही थीं। एक ने कहा, मुजफ्फरपुर बम हमले में दो औरतें मारी गईं। दूसरे ग्राहक ने राय जोड़ी कि यह किसी देशभक्त क्रांतिकारी का वीरोचित कार्य होगा पर उसका निशाना महिलाएं न होकर कोई क्रूर अंग्रेज अधिकारी रहा होगा। किशोर ने पानी से मुंह धोने के लिए अभी सिर झुकाया ही था कि इस आवाज को सुनकर सहसा रुक गया और पूछ बैठा कि क्या हमले में किंग्सफोर्ड नहीं मारा गया, कैसे बच गया। सभी की सवालिया निगाहें उस किशोर की तरफ घूम गईं। दुकानदार ने उससे कुछ प्रश्न पूछना शुरू कर दिया और स्टेशन पर ड्यूटी दे रहे दो सिपाहियों को गुप्त संकेत से अपने निकट बुला लिया। सिपाहियों ने किशोर से पूछताछ की, समुचित उत्तर न पाकर उसे पकड़ने हेतु बढ़े। किशोर सतर्क हुआ और कुर्ता की जेब से असलहा निकालने हेतु हाथ डाला किंतु सिपाहियों ने उसे जकड़ तलाशी ली तो कुर्ते की जेब से एक पिस्तौल निकली। तब पता चला कि यह तो क्रांतिकारी खुदीराम बोस है जिसने 30 अप्रैल की शाम जज किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम से हमला किया था। खुदीराम की गिरफ्तारी का समाचार कस्बे में जंगल की आग की तरह फैल गया। उस किशोर पर मुकदमा चला और सजा सुना फांसी पर चढ़ा दिया गया। देश का दुर्भाग्य है कि वर्तमान पीढ़ी उनके महान बलिदान से अपरिचित है।

खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसंबर, 1889 को बंगाल प्रेसीडेंसी अंतर्गत मिदनापुर जिला अंतर्गत एक गांव में कायस्थ परिवार में हुआ था। पिता त्रैलोकनाथ बोस और मां लक्ष्मीप्रिया देवी का प्यार-दुलार प्राप्त कर शिशु शुक्ल पक्ष के चंद्र की भांति बढ़ने लगा। उस समय कौन जानता था कि यह शिशु अपनी उज्ज्वल कीर्ति ज्योत्सना से एक दिन दिग-दिगंत में रजत आलोक भर देगा। समय आने पर विद्यालय में नामांकन करवाया गया, जहां शिक्षकों से देशवासियों पर किये जा रहे अंग्रेजी सत्ता के जुल्मों की कहानी सुन वह अंग्रेजों के प्रति आक्रोश से भर गये। वर्ष 1902-03 में अरविंद घोष और भगिनी निवेदिता का मिदनापुर में प्रवास हुआ और उन्होंने कई जनसभाएं संबोधित कीं। किशोर खुदीराम बोस ने सभाओं में सहभागिता की और दोनों के विचारों को सुनकर भारत माता की जंजीरों को काटने का संकल्प ले लिया। हृदय में देशप्रेम का रोपित बीज राष्ट्रभक्ति का रस पाकर क्रांति की भावभूमि में अंकुरित हुआ ही था कि 1905 में बंग भंग की घटना ने उसे खाद पानी का पोषण दे विकसित होने का अवसर दे दिया। कक्षा 9वीं को छोड़ खुदीराम बोस बंग-भंग के विरोध में चलाए जा रहे आंदोलन में न केवल सक्रियता से शामिल हुए अपितु सामान्य जन को जागरूक करने के लिए वंदे मातरम नामक पत्रक का वितरण भी किया। 1906 में मिदनापुर में एक कृषि मेले का आयोजन किया गया था। खुदीराम बोस ने इस मेले को क्रांतिकारी विचारों के प्रचार और देश की आजादी के लिए युवाओं को प्रेरित करने के एक मंच के रूप में उपयोग करने का निश्चय कर युगांतर से जुड़े क्रांतिकारी सत्येंद्र नाथ बोस लिखित एक पर्चा %सोनार बांग्ला% को बांटने में सफलता हासिल की। हालांकि पर्चा वितरण के दौरान सिपाहियों की नजर उस पर पड़ी किंतु सिपाहियों को चकमा देकर वह भागने में सफल रहे। लेकिन बहुत जल्दी उनको पकड़ लिया गया किंतु उनके विरुद्ध कोई गवाह न मिलने के कारण मजिस्ट्रेट ने चेतावनी देकर रिहा कर दिया। आगे 6 दिसंबर, 1907 को खुदीराम बोस ने बंगाल के गवर्नर की विशेष ट्रेन पर नारायणगढ़ स्टेशन पर हमला किया। संयोग से गवर्नर हमले में बाल-बाल बच गया। उस दौरान कलकत्ता में न्यायाधीश किंग्सफोर्ड की क्रूरता

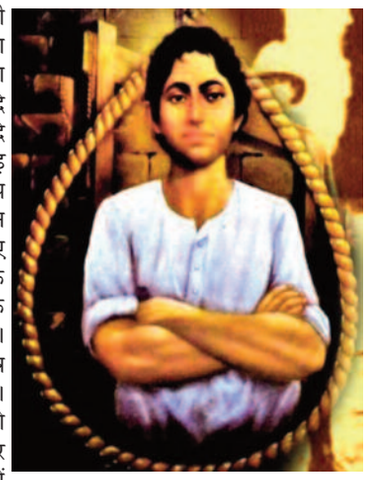

की बड़ी चर्चा थी क्योंकि वह देशभक्त और क्रांतिकारियों को तमाम नियम कानून ताक पर रखकर कठोर सजा देने के लिए कुख्यात था। उसे दंड देने के लिए बारीन्द्र घोष द्वारा स्थापित क्रांतिकारी संस्था युगांतर ने संकल्प किया हुआ था। अंग्रेज सरकार को इस योजना की भनक लगने पर किंग्सफोर्ड का स्थानांतरण कलकत्ता से बहुत दूर मुजफ्फरपुर में कर दिया गया। लेकिन वह नहीं जानते थे कि संकल्प के धनी व्यक्तियों के लिए भौगोलिक दूरी कोई मायने नहीं रखती। एक शाम युगांतर के कार्यालय में गुप्त बैठक के दौरान किंग्सफोर्ड को मुजफ्फरपुर में ही मारने की योजना बनी और यह काम करने हेतु उपस्थित क्रांतिकारियों में से जिम्मेदारी लेने की चुनौती रखी गई। दो-तीन वरिष्ठ क्रांतिकारियों ने चुनौती स्वीकार कर अपने नाम दिए। किंतु युगांतर संस्था के प्रमुख बारीन्द्र घोष ने कार्यालय की एक दीवार के सहारे कोने में चुपचाप बैठे खुदीराम को इस कार्य के लिए चुना क्योंकि पुलिस के रिकार्ड में खुदीराम के विरुद्ध न कोई वाद पंजीकृत था और न ही उसके बारे में विशेष जानकारी उपलब्ध थी। अपने चयन पर खुदीराम हर्षित हुए। उनके सहयोगी के रूप में बलिष्ठ कद काठी के किशोर प्रफुल्ल चाकी जाने को तैयार हुए। दोनों को एक-एक पिस्टल और एक बम दिया गया। दोनों मुजफ्फरपुर पहुंचकर एक धर्मशाला में छद्म नाम से रुक गये और जज किंग्सफोर्ड के कार्यालय, आवास एवं अन्य गतिविधियों की निगरानी कर 30 अप्रैल, 1908 की शाम उचित अवसर जानकर क्लब से बाहर निकलते समय किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम से हमला किया गया। बम की क्षमता इतनी अधिक थी कि विस्फोट की आवाज दूर तक सुनाई दी। हमला कर दोनों क्रांतिकारी योजनानुसार अलग-अलग रास्तों से निकल भागे। इस हड़बड़ी में खुदीराम के पैर से जूते रास्ते में कहीं निकल गये। प्रफुल्ल चाकी ट्रेन के द्वारा कलकत्ता पहुंचना चाह रहे थे। कमरे जाकर कपड़े बदल एक हितैषी रेलकर्मी की मदद से ट्रेन में सवार हो पटना की ओर बढ़ गये। उसी बोगी में सवार एक सब इंस्पेक्टर द्वारा प्रफुल्ल चाकी के हाव-भाव देख शंका हुई और पुलिस को सूचना कर आगे मोकामा घाट स्टेशन पर घेर लिया। प्रफुल्ल चाकी लड़ते रहे और जीवित गिरफ्तारी से बचने के लिए अंतिम गोली कनपटी पर मारकर देश के प्रति सर्वोच्च आत्मोत्सर्ग का अप्रतिम उदाहरण बन गये। इधर खुदीराम धर्मशाला के कमरे न जाकर पुलिस की निगाहों से बचने हेतु ट्रेन की पटरी-पटरी रात भर दौड़ते रहे। भूख-प्यास से बेहाल, नंगे पैर, पसीने से लथपथ वह किशोर अगली सुबह मुजफ्फरपुर से 25 किमी दूर जब वनी स्टेशन पर पहुंचा और एक दूकानदार से पीने के लिए पानी मांगा तो वह घटनाक्रम आपने इस लेख के आरंभ में पढ़ ही लिया है। खुदीराम बोस को गिरफ्तार कर पुलिस ने मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड की अदालत में पेश किया। दिखावे का मुकदमा चला, खुदीराम बोस द्वारा बम हमले की घटना को ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध घोर षड़यंत्र और राजद्रोह मान उसे फांसी की सजा सुनाई गई। 11 अगस्त, 1908 को केंद्रीय कारागार मुजफ्फरपुर के फांसीघर में 18 वर्ष 8 महीने का वह देशभक्त किशोर खुदीराम बोस श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ कर वंदेमातरम् का जयघोष कर हंसते हुए फांसी का फंदा चूम मां भारती के चरणों में अपना जीवन समर्पित कर कोटि-कोटि हृदयों में सप्रेम विराजमान हो गया। उनके बलिदान पर स्कूल कालेज बंद कर छात्र सड़कों पर उतर आये। सम्मान में बुनकरों ने एक विशेष धोती बुनी जिसके किनारों पर खुदीराम बोस लिखा होता था। उस समय वह धोती पहनना गर्व एवं गरिमा का परिचायक बन गया। उनके जीवन पर लोकगीत रचे-गाये जाने लगे। कहना न होगा कि खुदीराम बोस के बलिदान ने क्रांतिकारी आंदोलन को नवल धार दे अनंत ऊर्जा से भर दिया था।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के पृष्ठों में अंग्रेजी सरकार द्वारा फांसी पर चढ़ाये गये सबसे कम उम्र के पहले क्रांतिकारी के रूप में अंकित किशोर बलिदानी खुदीराम बोस का नाम प्रत्येक भारतवासी को देशप्रेम की पावन भावना से ओत-प्रोत करता रहेगा। भारत सरकार ने 1990 में खुदीराम बोस पर आधृत एक रुपए का डाक टिकट जारी कर श्रद्धा समर्पित की। समस्तीपुर अंतर्गत वनी स्टेशन का नाम बदलकर अब खुदीराम बोस पूसा स्टेशन कर दिया गया है। मुजफ्फरपुर में गंडक नदी के तट पर एक विशाल स्मारक निर्मित कर आदमकद प्रतिमा की स्थापना की गई है, जहां हर वर्ष हजारों भारतीय दर्शन कर किशोर बलिदानी खुदीराम बोस की पुण्य स्मृति को प्रणाम कर हृदय में देश-राग का अनुभव करते हैं।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,
उत्तर प्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

देश की मुख्यधारा में चरित्र निर्माण,राष्ट्रीयता का सूत्रधार

चरित्र अथवा सच्चरित्रता को यदि हम परिभाषित करें, तो अच्छे आचरण, चाल चलन, स्वभाव, गुणधर्म,आदि इत्यादि को चरित्र तथा सचरित्रता का तात्पर्य अच्छा चाल चलन, अच्छा स्वभाव, अच्छे व्यवहार से है। मनुष्य समाज के बीच रहने वाला दोपाया है। अतः समाज के मध्य ऐसे गुणों का होना आवश्यक है, जिनके द्वारा व समाज में शांति पूर्वक रहते हुए देश की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। मनुष्य के खराब आचरण से समाज का वातावरण भी प्रदूषित, खराब होता है। दूसरी तरफ अच्छे राष्ट्रीय चरित्र फलादेश हमेशा प्रगति के पथ पर चलकर एक महान राष्ट्र की संज्ञा पाता है। काम, क्रोध,लोभ, मोह, संताप, निर्दयता और ऐसे अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशांति उत्पन्न करते हैं। ऐसा व्यक्ति सदैव दुराचारी ही माना जाता है जो अच्छे आचरण या अच्छे चरित्र का ना हो। दूसरी ओर इसके जरा विपरीत निष्ठा, ईमानदारी, लगन शीलता, संयम तथा परोपकार इत्यादि पालन करने वाला मनुष्य चरित्रवान और सच्चरित्र वाला कहलाता है। इसके अलावा उदारता, विनम्रता,सहिष्णुता, सत्यभाषण किसी राष्ट्र को चरित्रवान बनाता है।

हमारे देश के महान नेता बापू महात्मा गांधी ने कूटनीति की चमक को बड़ा नहीं समझा,बुद्धि विकास को बड़ा नहीं समझा, चरित्रिक बल को ही मान दिया है। आज हमें अधिक से अधिक इस बात पर विचार करना है कि चरित्र बल केवल एक व्यक्ति का नहीं समूचे देश का होना चाहिए। राष्ट्रीय चरित्र को अत्यधिक महत्व देने वाली पंक्तियां मूर्धन्य आलोचक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई पंक्तियां से हम सब भली भली भांति परिचित हैं,उसका हिंदी भावार्थ है, यदि धन गया तो कुछ भी नहीं गया, यदि स्वास्थ्य गया तो थोड़ा गया, और यदि चरित्र चला गया तो सब कुछ चला गया। उनके इस कथन से चरित्र का महत्व स्पष्ट परिलक्षित होता है। कर्म मानव की अभिव्यक्ति है, वैसे ही जीवन चरित्र की अभिव्यक्ति है। हारवर्ट स्पेंसर ने कहा कि किसी मनुष्य राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा नहीं चरित्र है, और यही सबसे बड़ा उसका रक्षक है। चरित्रवान व्यक्ति ही अच्छा राष्ट्रीय चरित्र निर्माण कर सकता है। और अच्छा राष्ट्रीय चरित्र एक महान देश को जन्म देता है। जिसमें विश्व में शांति, सद्भावना एवं परस्पर सहयोग की भावना को बल मिलता है। चरित्रवान नेता पूरे देश को अच्छे से नेतृत्व देकर सही विकास और शिक्षा की ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। चरित्रहीन नेता देश को रसातल की ओर ले जाने में नहीं चूकता है। इसीलिए हमारा परम कर्तव्य बनता है कि हम देश के प्रतिनिधि के रूप में चरित्रवान नेताओं का ही चुनाव करें। राजनीति एक कठिन डगर है, जहां की पगडंडी बल खाकर आगे बढ़ती है। और इस प्रयास में हमें समाज में सदाचार को बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है। भ्रष्टाचार कदाचार की संभावनाओं को खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए, और इस प्रयास में हमें बच्चों को प्रारंभ से ही नैतिक शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए।चरित्रवान नेता सदैव अपने नागरिकों को महान बनने की प्रेरणा देता है। और सचरित्र ही हमेशा उदाहरण बनके आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। महात्मा गांधी तथा अन्य नेताओं ने चारित्रिक प्रबलता के दम पर ही ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ फेंका था। सदाचारी व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा होती है,और दुराचारी नेता सदैव निंदा का पात्र बनता है। जिस राष्ट्र के नेता नागरिक दुराचारी हो उसकी प्रगति कभी ठीक से नहीं होती। अतः देश की सही व निरंतर प्रगति के लिए आवश्यक है कि उसके अग्रणी नेता नागरिक आने वाली पीढ़ी सच्चरित्र एवं निष्ठावान हो।

किसी भी व्यक्ति या नागरिक का चरित्र होना इस बात पर निर्भर नहीं करता कि वह कितना शिक्षित है।एक अशिक्षित व्यक्ति भी अपने मर्यादापूर्ण जीवन से अच्छे चरित्र की संज्ञा पा सकता है, और यदि उच्च शिक्षित व्यक्ति भ्रष्टाचार दुराचार में लिप्त हो तो वह दुष्ट चरित्र ही कहलाता है। कई अति शिक्षित व्यक्ति दुराचार एवं विचार में लिप्त होकर अपने पढ़े लिखे होने को कलंकित करते हैं। और वही कम पढ़ा लिखा या अशिक्षित ऑटो ड्राइवर यात्री द्वारा भूल से छोड़े गए लाखों रुपए पुलिस थाने में जमा कर आता है, यह उस अनपढ़ व्यक्ति की उत्तम चरित्र की परिभाषा है। आज बड़े-बड़े पढ़े-लिखे अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होकर जेल तक की हवा खाने के लिए मजबूर हैं। यह लोग समाज के चरित्र,राष्ट्र के चरित्र के लिए अत्यंत घातक है। अच्छे चरित्र सही हमारे आत्मबल में वृद्धि होती है जिससे हम विपरीत परिस्थितियों में मर्यादा पूर्वक जीवन की शक्ति पाते हैं। अतः नागरिकों की राष्ट्रीय चरित्र की भावना एवं व्यक्तिगत चरित्र के कारण हम विश्व में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकते हैं। यह कोई भाषण या उपदेश नहीं है,इसे जीवन में अपनाकर देखिए आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन जरूर आएंगे। शुभकामनाओं के साथ।

संजीव ठाकुर,
चौबे
कॉलोनी,रायपुर
छत्तीसगढ़,

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

हाथी पखना गणपति धाम में हुई महा आरती

भारत सिंह सिसोदिया के प्रयास से महामाया पहाड़ अब हाथी पखना गणपति धाम के नाम से जाना जायेगा...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति द्वारा महामाया पहाड़ स्थित गणपति धाम हाथी पखना में भगवान गणेश के प्रतिमा की स्थापना एवं महाआरती का आयोजन किया गया। गणपति बप्पा मोरिया, मंगल मूर्ति मोरिया के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा, बाजे गाजे के साथ बड़ी संख्या में लोग महाआरती में शामिल हुए और बिघ्नहर्ता, रिद्धि सिद्धि के दाता, बुद्धि ज्ञान के कारक भगवान गणेश से आशीर्वाद प्राप्त किए। गणपति स्थापना समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि पुराने समय से यह जगह प्रभु राम के वन गमन पथ का हिस्सा रहा है, तथा इसी जगह पर प्रभु राम ने गणेश का आह्वान किया था तब से ऑक्सीजन पार्क स्थित हाथी पखना गणपति धाम आस्था का केंद्र है। समिति के अध्यक्ष गोल्डी बिहाडे ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता समेटे हुए इस जगह में भगवान गणेश की प्रतिमा और आने वाले दिनों में मंदिर की स्थापना से समस्त जन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने बताया कि लोगों में उत्साह है महा आरती में बहुत दूर-दूर से लोग शामिल हुए, महा आरती के पश्चात भंडारा लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष की भांति शहर के कई जगहों पर गणेश पंडाल का निर्माण किया गया है, जहां गणेश प्रतिमा लाए गए हैं और विधिपूर्वक पूजा अर्चना कर के उन्हें स्थापित किया गया है।गणपति धाम में महा आरती के अवसर पर अखिलेश सोनी, अंबिकेश केशरी, मनीष सिंह, हरपाल भामरा, सुधीर सिंह, अभिषेक शर्मा, आलोक दुबे, निलेश सिंह, हरमिंदर सिंह टिन्नी, आलोक सिंह सुधाकर सिंह, शैलेश सिंह, रूपेश दुबे, राजेश अग्रवाल, विजय सोनी, राजेश सिंह, जन्मेजय मिश्रा, विनोद हर्ष, विवेक दुबे, नरेंद्र सिंह टुटेजा, आकाश गुप्ता, संतोष दास, दितेश रॉय, रोचक गुप्ता, मंजूषा भगत, संध्या रवानी, मधु चौदाहा, शुभांगी बिहाडे, कल्पना मिश्रा, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, अंजनी दुबे , अनीश सिंह, शरद सिन्हा, नीरज पांडे, अमोघ कश्यप, धीरज सिंह, गोलू यादव, विवेक सिंह सिकरवार, अजय सिंह, आर के शुक्ला, अंशुल श्रीवास्तव नितिन गुप्ता, दिवस दुबे, अभिषेक श्रीवास्तव, संजय सिंह, सुनीत मिश्रा, संजय त्रिपाठी, मनोज कंसारी, निशांत सिंह गोल्डी, प्रिंस चौबे, मनीष दुबे, मिथुन सिंह, काशी केसरी, अपूत यादव, हिमांशु, सतीश गुप्ता, रिंकू, वीरेंद्र कुमार शर्मा, आयुष अग्रवाल, अंशुमल गर्ग , किशोर सिंह बघेल, दीपक गोस्वामी, आशीष अग्रवाल, रजत पांडे, अंजनैय शुक्ला, भोलू सिंह सेंगर, निक्कू सिंह, गौरव राठौर, रवजोत सिंह, प्रिया सिंह, विनल गुप्ता, जितेंद्र सोनी, रणविजय सिंह, रौनी मिश्रा, वीर सोनी, दिव्यांशु केशरी, दीपक यादव, अनुराग शुक्ला, अविनाश मंडल, सिद्धार्थ मिश्रा, सर्वेश तिवारी, चंदन शुक्ला, संदीप यादव मैगो, त्रिलोचन राजवाड़े, भवरंजन, हर्ष जयसवाल, रोहित कुशवाहा, फुलचंद, दीपेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

घरों व आकर्षक पंडालों में विराजे विघ्नहर्ता

अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

गणेश उत्सव को लेकर लोगों में खास उत्साह रहता है। लगभग 15 दिन पूर्व से ही शहर के जगह-जगह आकर्षक पंडाल निर्माण की तैयारी समिति द्वारा शुरू करा दी गई थी। मंगलवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सजे-धजे आकर्षक पंडालों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर लंबोदर की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही शहर में गणेशोत्सव की धूम शुरू हो गई है। ग्रामीण इलाकों में भी छोटे-बड़े पंडाल सजाकर विघ्नहर्ता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया है। शहर के प्रमुख व्यवसायिक मार्गों में आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं साथ ही विद्युत झालरों से सजावट भी की गई है। शहर के लगभग हर मोहल्ले में एक दो स्थान पर आकर्षक पंडाल तैयार कर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की जा रही है। बच्चों से लेकर बड़ों में भी विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना को लेकर उल्लास व भक्ति का वातावरण बना हुआ है। शहर के जयस्तंभ चौक, सदर रोड, देवीगंज रोड, ब्रह्म रोड, चांदनी चौक मायापुर, चर्च रोड केदारपुर, दीपारा, महाराजा गली में स्थापित प्रतिमाएं लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है। जो कि बड़े ही आकर्षक तरीके से पंडाल का निर्माण कराया गया है। पूजा समितियों द्वारा गणेश उत्सव को लेकर लगभग 15 दिन पूर्व से तैयारी चल रही थी। इसके बावजूद भी तैयारी का सिलसिला पूजा के क्रम तक चलता रहा। शहर के अधिकांश पंडालों में पूजा का दौर देर शाम तक चलता रहा। पूजा के बाद भगवान गणेश का पट खुलते ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। जो देर रात तक चलता रहा। गणेश उत्सव का उत्साह पूरे दस दिनों तक चलेगा। जगह-जगह पूजा समिति द्वारा धार्मिक आयोजन किए गए हैं। भजन संध्या का आयोजन भी एक-दो दिन के भीतर शुरू हो जाएगा। कई चर्चित भजन मंडलियां व आर्केस्टा ग्रुप द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं पूरे दस दिनों तक शहर का माहौल पूरी तरह से भक्तिमय रहेगा।

आकाशिय बिजली की चपेट में आने से बालक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बकरी चराने गए दो सगे भाई आकाशिय बिजली की चपेट में आ गए और मौके पर ही बेहोश हो गए। कुछ देर बाद जब बड़े भाई को होश आया तो छोटे भाई को कंधे पर टांगकर घर लाया और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार सुरेश कोरवा पिता घासी कोरवा उम्र 8 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कर्रा का रहने वाला था। वह सोमवार को अपने बड़े भाई शोभ राम के साथ बकरी चराने ढोढाटीकरा गया था। वहीं पर अचानक तेज गरज के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई। तेज गरज के साथ अकाशिय बिजली गिरने से दोनों भाई चपेट में आ गए और बेहोश हो गए। कुछ देर बाद बड़े भाई को होश आया तो छोटे भाई को कंधे पर उठाकर घर लाया और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कीटनाशक सेवन कर महिला ने दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पति को डराने के उद्देश्य से एक महिला मुंह में कीटनाशक डाल ली और कीटनाशक उसके पेट में चला गया। जानकारी होने पर परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुन्दरीया बाई पति निर्मल उम्र 32 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम जमड़ी की रहने वाली थी। 8 सितंबर की शाम को इसका पति घर के बाहर दोस्तों के साथ बैठा था और उसकी पत्नी किसी काम को लेकर बुला रही थी। कुछ देर बाद वह अंदर गया तो उसकी पत्नी उल्टी कर रही थी। पूछे जाने पर वह बताई की तुम्हे डराने के लिए मैं मुंह में कीटनाशक डाली थी तभी कीटनाशक पेट के अंदर चला गया। उसे तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

युवक की अज्ञात बीमारी से मौत,परिजन सदमे में

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

एक युवक अचानक मंगलवार की सुबह 4 बजे चिल्लाते हुए बेड से उठा और दौड़ते हुए खेत की ओर भागने लगा। परिजन को कुछ समझ नहीं आया और ये भी उसके पीछे जाने लगे। रास्ते में युवक गिरकर बेहोश हो गया। परिजन उसे उठाकर घर लाए और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार प्रदीप सिंह पिता बालगोविन्द डक्षसह उम्र 19 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनवाही का रहने वाला था। वह मंगलवार की सुबह 4 बजे अचानक चिल्लते हुए उठा और दौड़ते हुए घर से बाहर निकलकर खेत की ओर भागने लगा। घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर पहुंचा और खेत में मेढ़ पर गिरकर बहेश हो गया। परिजन उसके पीछे-पीछे पहुंचे और उसे उठाकर घर लया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन का कहना है कि उसे पूर्व में किसी तरह की कोई बीमारी नहीं थी। यह पहली बपर इस सतरह का हुआ और इसकी मौत हो गई।

सनातन धर्म की रक्षा करने वीर नारायण सिंह और गुण्डाधूर ने किया अपना सर्वस्व अर्पण

» भूपेश सरकार शराब, गोठान,कोयला,रेत,पीएम आवास घोटाले में ही रही मशगुल

- संवाददाता -
सुरजपुर/भैयाथान, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा मंगलवार को भटगांव विधानसभा के भैयाथान पहुंची।जहां हाई स्कूल ग्राउंड भैयाथान में आसाम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा,नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,पूर्व राज्य सभा सांसद व विधायक प्रत्यासी रामविचार नेताम,पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा,पूर्व सांसद कमलभान सिंह,परिवर्तन यात्रा प्रभारी अनुराग सिंह देव,भटगांव विधायक प्रत्यासी लक्ष्मी राजवाड़े,प्रेमनगर प्रत्यासी भूलन सिंह मरावी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वही आमसभा को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शहीद वीर नारायण सिंह व गुंडाधुर को नमन किया व स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने धर्मांतरण को रोकने के लिए व हमारे सनातनी समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया ऐसे नेता को मै नमन करता हु। वही कार्यकर्ताओ की उपस्थिति प्रेम व उत्साह को देखते हुए उन?होंने कहा कि मै दावा के साथ कह सकता हु की इस बार छत्तीसगढ़ प्रदेश में कमल खिलेगा और बीजेपी की सरकार बनेगी। अटल बिहारी वाजपेई जी ने छत्तीसगढ़ का गठन किया था और बीजेपी की सरकार ने छत्तीसगढ़ का नव निर्माण किया था। लेकिन अभी देश में छत्तीसगढ़ का जो परिचय है वो विकाश के लिए परिचय नही है अभी छत्तीसगढ़ का परिचय हमारे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शराब घोटाला बना दिया,कोयला घोटाला बना दिया व उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ को देश में बदनाम कर दिया। छत्तीसगढ़ के लोग अपने खून से छत्तीसगढ़ का विकास किया है।छत्तीसगढ़ में परिवर्तन होना चाहिए लेकिन छत्तीसगढ़ का परिवर्तन कोई शराब घोटाला के साथ नाम शामिल करके नही होना चाहिए बल्कि छत्तीसगढ़ का नाम शिक्षा व संस्कृति के साथ अपने विरासत के लिए आना चाहिए लेकिन मुख्यमंत्री जी ने छत्तीसगढ़ का नाम पलट के रख दिया है। कांग्रेस पार्टी ने जहां भी चुनाव होता है उस चुनाव में भूपेश बघेल जी को भेज देते हैं असम में चुनाव हुआ था जब में मुख्यमंत्री बना उस समय एक महीना भूपेश बघेल जी असम में रहे फिर हिमाचल में चुनाव हुआ उस समय भी वे रहे फिर मैंने लोगो से पूछा कि भूपेश भाई को क्यो भेजते है अन्य राज्य के चुनाव में लेकिन असम के दोस्तो ने मुझे बोला कि छत्तीसगढ़ से पैसा आता है इस लिए भूपेश बघेल जी को हर राज्य के चुनाव में भेजा जाता है।छत्तीसगढ़ के सीएम ने इतना रुपए दिए इतना रुपए दिए किसी को कम किसी को ज्यादा दिए अब मै यह प्रश्न पूछना चाहता हु की असम में निवेश करने के जगह हिमांचल में निवेश करने के जगह अब हमारे जनजातीय भाई-बहन के उत्थान के लिए अब क्यो खर्च नही करते।

छत्तीसगढ़ में हर जगह शराब की दुकान ठीक है आप सब कुछ कीजिए मुझे कोई आपत्ति नही लेकिन एक बात ध्यान में रखिये की आप जो भी कीजिए निष्ठा व एक साफ दिल रखकर की कीजिये।धान की खरीदी में 600 व 700 क्विंटल का बोनस देते हैं उससे मेरे को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन साथ में आप ईमानदारी से यह भी बोलिए की मोदी जी धान खरीदी के लिए प्रति क्विंटल 2100 रुपए देते हैं उसको भी आप ईमानदारी से बोलिए।वही उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों से विधायक प्रत्यासी लक्ष्मी राजवाड़े को विधानसभा में चुनाव में जिताने की अपील की।

वही कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व राज्यसभा सांसद व रामानुजगंज विधानसभा प्रत्याशी रामविचार नेताम,भटगांव विधानसभा प्रत्यासी लक्ष्मी राजवाड़े ने भी सम्बोधित किया।वही कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राजेश महलवाला के द्वारा किया गया।

इस दौरान परिवर्तन यात्रा प्रभारी अनुराग सिंह देव,सह प्रभारी मोतीलाल साहू,पूर्व विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी,भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत,संजय श्रीवास्तव, परमेश्वरी राजवाड़े, जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, सत्यनारायण सिंह,अजय गोयल, गिरीश गुप्ता, राजीव प्रताप सिंह, बलराम सोनी, रामु गोस्वामी, मार्तण्ड साहू, सुनील साहू,शान्तनु गोयल, लालचंद शर्मा, शैलेन्द्र गुप्ता, रामेश्वर बैस, शुभाष राजवाड़े, राजेश तिवारी, राकेश पाठक, प्रदीप द्विवेदी सहित काफी संख्या में भाजपा व भाजयुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवा थाम रहे बजरंग दल का दामन

- संवाददाता -
सुरजपुर,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बजरंग दल के कार्यों से प्रभावित होकर लगातार युवा बजरंग दल का दामन थाम रहे हैं इसी कड़ी में खण्ड सोनपुर (शिवप्रसाद नगर) में सैकड़ों युवाओ ने बजरंग दल का दामन थामा हनुमान जी की पूजा पाठ के साथ खंड ससोनपुर में बजरंग दल गठन व कार्यकारिणी घोषित की गई!

जिसमें खंड सोनपुर (शिवप्रसाद नगर) के साथ-साथ अंतर्गत ग्रामीण स्तर पर भी गठन किया गया व कार्यकारणी घोषित कि गई! विश्व हिंदू परिषद से जिला पदाधिकारी संजू देवांगन,जिला संयोजक सुजीत सिंह, जिला पदाधिकारी अनुज साहू, नगर मंत्री भागीरथी निषाद,खण्ड संयोजक चंद्रपुर आकाश देवांगन, नगर बलोउपासना प्रमुख आकाश साहू,नगर साप्ताहिक प्रमुख अंशु कसेरा, दीपक सिंह उपस्थित रहे। कार्यकारिणी मै विश्व हिंदू परिषद से खंड सोनपुर से खण्ड अध्यक्ष महेश साहू, खंड उपाध्यक्ष रामप्रसाद, खंड मंत्री पारसराम, खण्ड संयोजक दिनेश सिंह,सह संयोजक विवेक देवांगन,गौ-रक्षा प्रमुख कैलाश सिंह,सह गौ-रक्षा प्रमुख सूर्य प्रताप, सुरक्षा प्रमुख शेखर देवांगन,बलोउपासना प्रमुख आकाश सिंह,सह बलोउपासना प्रमुख अनुज साहू, महाविद्यालय(आईटीआई) प्रमुख सुरेश साहू, विद्यालय प्रमुख राहुल सोनवानी, उपस्थित रहे। ग्रामीण स्तर पर ग्राम संयोजक संजय साहू, सहसंयोजक रामेश्वर साहु गुप्ता, ग्राम बंजा से ग्राम संयोजक रमेश सिंह, ग्राम विरामतल से ग्राम सेवक शुभम ठाकुर, सह संयोजक सूरज यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नहर के गहरे पानी में डूबने से महिला की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

नहाने के दौरान पैर फिसलने से महिला नहर के गहरे पानी में डूब गई। गांव वालों ने निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस मामले में मणिपुर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार मुन्नी गोड़ पति जुठन गोड़ उम्र 50 वर्ष लब्जी मणिपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह मंगलवार को घर के पास नहर में बच्चों के साथ नहाने गई थी। नहर के सिढ़ी से पैर फिसलने से महिला नहर के गहरे पानी में चली गई और डूब गई। बच्चो ने घटना की जानकारी गांव वालों को दी। गांव वाले पहुंचे और महिला को बाहर निकाला। तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। इस मामले में मणिपुर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा आरंभ

» 'पुरूष सन्यास लेकर त्याग करता है,महिला विवाह के बाद गृहस्थ में रहते हुए निरंतर तप करती है'

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भव्य कलश यात्रा के साथ सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का शुभारंभ हुआ। राम मंदिर से कलश यात्रा शहर होते हुए कथा स्थल कला केंद्र पहुंची। इस दौरान भव्य झांकी के साथ ही भजनों की अमृत वर्षा के बीच उत्साह से महिलाएं बच्चे नाचते झूमते कलश यात्रा में शामिल हुए। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोग कलश यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा का भव्य स्वरूप देखते ही बन रहा था, कथा स्थल पर कलश स्थापना के साथ कथा वाचक परम पूज्य रमेश भाई ओझा के मुखारविंद से कथा वाचन प्रारंभ किया गया है।

कला केंद्र मैदान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव मानहेरू परिवार के द्वारा पितृ मोक्षार्थ गया श्राद्धत किया गया है आकर्षक ढंग से पंडाल को सजाया गया है।कलश पूजन के पश्चात कला केंद्र मैदान में कथा प्रारंभ हुआ विश्व प्रसिद्ध कथावाचक रमेश भाई ओझा के श्री मुख से प्रेम धारा की वर्षा हो रही है उन्होंने पहले दिन कथा वाचन करते हुए कहा कि हमारे समाज में भले ही पुरुष के गृहस्थ त्याग को अहम स्थान दिया गया है, मगर एक स्त्री जो विवाह के बाद अपना घर त्याग कर पति के गृहस्थ को जिस निष्ठा से संभालती है वह पुरुष के त्याग से कहीं ज्यादा बड़ा और समाज के सशक्त निर्माण का श्रोत है। पुरूष सन्यास लेकर त्याग करता है, महिला विवाह के बाद गृहस्थ में रहते हुए निरंतर तप करती है। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से पहले आवश्यक है कि कथा के मूल आधार और इसके संकल्प को पहले समझ लें। उन्होंने कहा कि संकल्प समर्पण के भाव से होता है।उन्होंने कहा कि एक स्त्री का तप और त्याग उसी दिन से शुरू हो जाता है जब वह विवाह कर पराए घर और उसके गोत्र को वैसे ही अपना लेती है जैसे एक सन्यासी गृहस्थ छोड़ने के बाद अपना घर और गोत्र छोड़ देता है। स्त्री विवाह के बाद समाज के नवनर्माण के लिए अपना योगदान देना शुरू करती है। यह त्याग नहीं कठिन तपस्या है जो किसी पुरुष के बूते संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि एक पुत्र के जन्म से मां का भी जन्म होता है वहीं बहु के आने से ही किसी स्त्री को सास का दर्जा मिलता है। अगर घर में पति बेटा और सास अपने निर्माण के प्रतीक स्त्री का वैसा ही सम्मान करे जैसा खुद चाहता है तो गृहस्थ खुशहाल और सुदृढ़ होगा। कथावाचन के पूर्व आयोजक सूरजपुर व सरगुजा के माननेहरू परिवार ने शहर में भव्य कलश यात्रा राम मंदिर से निकाली कलश यात्रा में आकर्षक झांकी देखते ही बन रही थी जगह-जगह लोगों ने

कलश यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।नगर के मुख्य मार्गों से होते यह यात्रा कलाकेन्द्र मैदान पहुंची जहां कलश स्थापना के साथ श्रीमद भगवत ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ शुरू हुआ। इस अवसर पर दीप प्रज्जवलन के लिए खाद्यमंत्री अमरजीत भगत, बीस सूत्रीय क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, गौ सेवा आयोग के सदस्य अटल यादव के साथ आयोजक परिवार ने दीप प्रज्जवलन किया। यह कथा प्रतिदिन दोपहर तीन से पांच बजे तक 24 सितंबर तक चलेगी। मंगलवार को को नारद संवाद एवं भीष्म चरित्र का वर्णन किया गया आज 20 सितंबर को प्रहलाद चरित्र नरसिंह अवतार,21 सितंबर को श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 22 सितंबर को गोवर्धन पूजा,23 सितंबर को रुकमणी विवाह,24 सितंबर को सुदामा चरित्र की रसधारा होगी और हवन व विशाल भंडारे के साथ भागवत कथा का समापन होगा। पहले दिन कथा को सुनने के लिए मानहेरू परिवार के अलावे शहर के धर्म प्रेमी बंधु कथा स्थल पर पहुंचे थे इस पावन आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ लेने का आग्रह किया गया है ।

राजकीय अतिथि का दर्जा

सरगुजा में पहली बार पधारे कथावाचक श्री रमेश भाई ओझा को राज्य सरकार ने राजकीय अतिथि का दर्जा दिया। राज्य सरकार की ओर से खाद्यमंत्री अमरजीत भगत ने कथा स्थल पहुंचकर उनका स्वागत किया।

CMYK

भारत के एतराज के बाद

प्रधानमंत्री ट्रूडो के नरम पड़े सुर

बोले- हम भारत को उकसाने की कोशिश नहीं कर रहे

ओटावा, 19 सितम्बर 2023 । भारत की नाराजगी के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सुर नरम पड़ गए हैं। अब उन्होंने कहा है कि हम भारत को उकसाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हम बस इतना चाहते हैं कि भारत इस मामले को गंभीरता ले। दरअसल, कनाडा के प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार की साजिश हो सकती है।

ट्रूडो ने अब क्या कहा?

प्रधानमंत्री ट्रूडो ने मंगलवार को कहा कि कनाडा सिख अलगाववादी नेता की हत्या से जुड़े होने को लेकर भारत को उकसाने की कोशिश नहीं कर रहा है। हम चाहते हैं कि नई दिल्ली इस मुद्दे को ठीक से देखे और गंभीरता से ले। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को इस मामले को बहुत ही गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम उकसाने या इसे आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी

बता दें कि इसी साल जून में कनाडा के एक प्रमुख खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के सरे में स्थित गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के नजदीक दो अज्ञात हमलावरों ने निज्जर पर हमला किया था। हमले में उसकी मौत हो गई थी।

एनआईए ने निज्जर को भगोड़ा घोषित किया था

भारतीय एजेंसी एनआईए ने निज्जर को भगोड़ा घोषित किया था। बता दें, निज्जर गुरु नानक सिख गुरुद्वारे का अध्यक्ष था और कनाडा में चरमपंथी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख चेहरा था। निज्जर, खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख भी था।

कनाडाई पीएम ने भारत सरकार पर लगाए आरोप

इस बीच कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाए कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने जोर दिया कि कनाडा की धरती में कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है।

भारत का कनाडा को जवाब

आरोपों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया। मंत्रालय ने कनाडा के आरोपों को बेतुका और प्रेरित करार दिया है। भारत ने कहा कि इस तरह के आरोप सिर्फ उन खालिस्तानी आतंकी और कट्टरपंथियों से ध्यान हटाने के लिए जिन्हें लंबे समय से कनाडा में शरण दी जा रही है और जो भारत की क्षेत्रीय एकता और अखंडता के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं।

तीन महीने में ही उतरा प्यार का बुखार,सताने लगी बच्चों की चिंता- अब पाकिस्तान से भारत लौटेगी अंजू

पेशावर, 19सितंबर 2023। इसी साल जुलाई में अपने फेसबुक फ्रेंड से मिलने पाकिस्तान गई अंजू को अब भारत की याद आ रही है। इस्लाम कबूल कर फातिमा बनी अंजू के पति नसरुल्ला ने दावा किया है कि अंजू को अपने दो बच्चों की याद आ रही है और वह मानसिक रूप से बिल्कुल ठीक नहीं है। अंजू के अगले महीने अक्टूबर में भारत लौटने की उम्मीद है। 34 वर्षीय अंजू उर्फ फातिमा, जुलाई से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रह रही है। पाकिस्तानी मीडिया ने खबर दी थी कि अंजू ने इस्लाम धर्म अपना लिया है और अपने फेसबुक मित्र नसरुल्लाह से शादी कर ली है। अंजू के पति नसरुल्लाह ने खुलासा किया कि उनकी पत्नी %मानसिक रूप से परेशान हैं और अपने बच्चों को बुरी तरह याद कर रही हैं।' नसरुल्ला ने कहा कि अंजू मानसिक रूप से परेशान है और अपने बच्चों को बुरी तरह याद कर रही है और उसके पास वापस जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अंजू के पति नसरुल्लाह ने अंजू के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चिंता व्यक्त की और कहा कि उनका भारत लौटना बेहतर होगा।

पीडीएम ने देश को डिफॉल्ट होने से बचाया वरना पेट्रोल हजार रुपये लीटर होता;नवाज शरीफ का बड़ा बयान

लंदन/इस्लामाबाद, 19 सितम्बर 2023 । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की देश वापसी जल्दी ही होने की उम्मीद है। वे 21 अक्तूबर को चार साल का आत्मनिर्वासन खत्म कर देश लौट सकते हैं। इसे लेकर न केवल नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के नेता बल्कि वे स्वयं काफी उत्साहित हैं। देश वापसी से पहले उन्होंने अपने विरोधियों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वे आगामी चुनाव में अपनी पार्टी का पार्टी का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हैं। आज पाकिस्तान की जो हालत है वो चिंताजनक है। भारत का जिक्र करते हुए नवाज ने कहा कि आज पड़ोसी देश चांद पर पहुंच गया है और हम दूसरों से पैसे मांग रहे हैं।

पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने देश को डिफॉल्ट होने से बचाया

उन्होंने यह भी दावा किया कि देश में आज पेट्रोल की कीमत 330 रुपये प्रति लीटर है। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की सरकार ने देश को डिफॉल्ट होने से बचाया है। अगर वे ऐसा न करते तो देश में पेट्रोल के दाम एक हजार रुपए प्रति लीटर तक पहुंच जाते।

बता दें कि वे सोमवार को लंदन से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के टिकट मांगने वालों की एक ऑनलाइन बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में मरियम नवाज, हमजा शहबाज, अहसान इकबाल, परवेज राशिद, खुर्रम दस्तगीर, मरियम औरंगजेब, आजमा बुखारी और राणा सनाउल्लाह सहित पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता वर्चुअली जुड़े थे।

बैठक के दौरान उन्होंने 2017 के दौरान के सैन्य अधिकारियों जैसे रिटायर्ड आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा, पूर्व ढ्ढस्ढ्ढ चीफ फैज हमीद सहित पूर्व चीफ जस्टिस मियां साकिब निसार को देश की वर्तमान हालत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि लोगों को पता होना चाहिए कि उनकी पीड़ा के असली दोषी कौन हैं।

शरीफ ने अपने भाषण में कहा कि जिस व्यक्ति (नवाज) ने देश को बिजली कटौती से छुटकारा दिलाया, उसे जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि उनके निष्कासन के पीछे आईएसआई प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हामिद और पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा का हाथ था। पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार और आसिफ सईद खोसा (पूर्व सेना प्रमुख और उनके जासूस प्रमुख) उनके लिए काम करते थे। उनका अपराध हत्या के अपराध से भी बड़ा है। उन्हें क्षमा करना देश के साथ अन्याय होगा। पाकिस्तान के लोगों पर आर्थिक तंगी का शिकार बनाने के लिए जिम्मेदार इन लोगों को जवाबदेही का सामना करना पड़ेगा।

हम ही जीतेंगे चुनाव- नवाज शरीफ

शरीफ ने कहा कि देश को डिफॉल्ट होने से बचाने के लिए हमने अपनी राजनीतिक पूंजी को दांव पर लगा दिया। हमने पाकिस्तान को डिफॉल्ट से बचाने की कीमत चुकाई है। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि मैं लिखित रूप से कह सकता हूं कि चुनाव में हम ही जीतेंगे। नवाज ने दावा किया कि जब वे सत्ता में थे तो आज के जैसे हालात नहीं थे। उस समय सस्ता आटा, घी और चीनी उपलब्ध थी। वहीं आज गरीबों को भारी बिजली बिल आ रहे हैं और उन्हें नहीं पता कि उनका भुगतान कैसे किया जाए।

राजनीतिक रूप से अयोग्य ठहराए जाने के चुनौती देंगे नवाज शरीफ

नवाज शरीफ नवंबर 2019 में लंदन गए थे, जब लाहौर हाईकोर्ट ने उन्हें इलाज के लिए चार हफ्ते के लिए विदेश जाने की अनुमति दी थी। हालांकि नवाज शरीफ उसके बाद बीते चार सालों में कभी पाकिस्तान नहीं लौटे। जब उनकी पार्टी इमरान खान को हटाकर सत्ता पर काबिज हुई तो उस वक्त चर्चा थी कि नवाज शरीफ पाकिस्तान लौट सकते हैं। हालांकि ये सिर्फ चर्चाएं ही रहीं और शरीफ पाकिस्तान नहीं लौटे। पीएमएल-एन नेता ख्वाजा आसिफ ने कहा कि नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटकर उन्हें राजनीतिक रूप से अयोग्य ठहराए जाने के फैसले को चुनौती देंगे।

यूएन चीफ गुटेरेस बोलेः आज की दुनिया के अनुरूप हो यूएनएससी में सुधार,समाधान के बजाए समस्या का हिस्सा बन रहे हम

संयुक्त राष्ट्र,19 सितम्बर 2023 । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में आज की दुनिया के अनुरूप और समानता के आधार पर सुधार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह 15 सदस्यीय निकाय 1945 की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को दिखाता है और इसे हल करने के बजाय समस्या का हिस्सा बनने का जोखिम है।

गुटेरेस ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 78वें सत्र को संबोधित करते हुए विश्व नेताओं से कहा, हमारी दुनिया निर्जन होती जा रही है। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है। वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही हैं। हम जवाब देने के लिए एक साथ आने में असमर्थ प्रतीत होते हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया जलवायु संकट से लेकर विघटनकारी प्रौद्योगिकियों तक अस्तित्व संबंधी कई खतरों का सामना कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक बहुध्रुवीय दुनिया को मजबूत और प्रभावी बहुध्रुवीय दुनिया को मजबूत और प्रभावी बहुपक्षीय संस्थानों की आवश्यकता होती है। फिर भी वैश्विक शासन पर सदी की आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं पर आधारित बहुपक्षीय संस्थानों को नवीनीकृत करने का यह सही समय है जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों में निहित समानता, एकजुटता और सार्वभौमिकता में निहित हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि आज की दुनिया के अनुरूप सुरक्षा परिषद में सुधार करना। गुटेरेस ने कहा, इसका मतलब अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे को फिर से डिजाइन करना है ताकि यह वास्तव में सार्वभौमिक बन सके और संकट में फंसे विकासशील देशों के लिए वैश्विक सुरक्षा कवच के रूप में काम करे।

कई देश औपनिवेशिक प्रभुत्व के अधीन थे जो आज इस अभी इस असेंबली हॉल में हैं। दुनिया बदल गई है। उन्होंने कहा कि हमारे संस्थानों ने ऐसा नहीं किया है।

उन्होंने कहा, हम समस्याओं का प्रभावी तरीके से समाधान नहीं कर सकते, क्योंकि वे तब तक होती हैं जब तक कि संस्थान दुनिया को उस रूप में प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। समस्याओं को हल करने के बजाय, वे समस्या का हिस्सा बनने का जोखिम उठाते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि 21वीं समय में अटका हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने आगे कहा, यूएनएससी और ब्रेटन वुड्स सिस्टम के अलावा कहीं और न देखें। वे 1945 की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को दर्शाते हैं, तब

अमेरिका बोला-जस्टिन ट्रूडो के दावे से हम चिंतित;

भारत से जांच में सहयोग करने का किया अनुरोध

वॉशिंगटन, 19 सितम्बर 2023 । कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या में भारत सरकार के शामिल होने के आरोपों को लेकर अमेरिकी अधिकारी अपने कनाडाई समकक्षों के साथ करीबी संपर्क में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने भारत से जांच में सहयोग करने का आग्रह किया है।

अधिकारी ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों से कहा, हम इस बारे में अपने कनाडाई सहयोगियों के करीब से संपर्क में हैं। हम आरोपों को लेकर काफी चिंतित हैं। हमें लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि एक पूरी और खुली जांच हो। हम भारत सरकार से उस जांच में सहयोग करने का अनुरोध करते हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि अधिकारी सिख अलगाववादी नेता की हत्या में नई दिल्ली के एजेंटों के लिंक के विश्वसनीय आरोपों पर सक्रियता से काम कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने उनके इन दावों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज किया है।

इस ताजा विवाद से वर्षों से चले आ रहे राजनयिक संबंधों को बड़ा झटका लगा है। कनाडा में सिख अलगाववादियों की गतिविधियों को लेकर भारत अपनी समय-समय पर नाराजगी जाहिर कर चुका है। इसने अब दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को भी खतरे में डाल दिया है। पिछले सप्ताह से मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रुकी हुई है।

कनाडा ने पहले भारत के एक शीर्ष खुफिया अधिकारी को निष्कासित किया। जिसके जवाब में भारत ने भी कनाडा के एक वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया और पांच दिनों के भीतर उन्हें देश छोड़ने को कहा गया है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने स्थानीय विश्रामगृह में किया प्रेस कांफ्रेंस

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रदेश सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे परिवर्तन यात्रा में आए नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने स्थानीय विश्रामगृह में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रदेश के भूपेश बघेल सरकार पर प्रदेश की जनता के साथ किए गए वादों को पूरा नहीं करने एवं प्रदेश में भ्रष्टाचार अपराध एवं आतंक को संरक्षण देने का आरोप लगाया। श्री चंदेल ने कहा भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में दो परिवर्तन यात्रा प्रारंभ की है एक यात्रा 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर दुर्ग रायपुर संभाग में प्रारंभ की गई है और दूसरी यात्रा जयपुर के खुदखूड़िया धाम से प्रारंभ की गई है जो रायगढ़ सरगुजा एवं बिलासपुर संभाग के विधानसभा मेंचल रही है किसी यात्रा के दौरान प्रतिदिन विधानसभा एवं जिला मुख्यालय में केंद्रीय नेता एवं विभिन्न प्रदेश के मुख्यमंत्री आ रहे हैं छत्तीसगढ़ का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने किया था पूर्व की भाजपा सरकार में इसका सर्वांगीण विकास किया पर 2018 से भूपेश बघेल की सरकार के आने के बाद सभी विकास कार्य बंद पड़े हैं नित नवीन घोटाले उजागर हो रहे हैं इनको कुछ नेता जेल में है और कुछ बेल में है मैं आपके माध्यम से भूपेश बघेल से पूछना चाहता हूं की इन घोटाला का पैसा कहां गया आज प्रदेश में भय और आतंक का माहौल है अभी 3 दिन पहले भिलाई में एक युवा लड़का मलकीत सिंह ने पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा लगाया जिसकी एक समाज विशेष के लोगों ने जघन्य हत्या कर दी ऐसी ही एक घटना बिरनपुर में हुई जहां एक साहू समाज के युवक की हत्या कर दी गई छत्तीसगढ़ के बगीचा में तीन माह से राशन नहीं मिलने के बाद राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले संरक्षित समाज के एक पूरे परिवार ने आत्महत्या कर ली आज पूरे प्रदेश में भैया भूख एवं आतंक चरम पर है इसके बावजूद इस संवेदनहीन सरकार के किसी भी विधायक या मंत्री के पास इन पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने का समय नहीं है ऐसे में प्रदेश की कांग्रेस सरकार के आतंक के खिलाफ प्रदेश के जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए भारतीय जनता पार्टी यह परिवर्तन यात्रा लेकर जनता के बीच जा रही है क्षेत्र में व्यापक समर्थन मिल रहा है निर्धारित कार्यक्रम की आती रिक्त जगह-जगह पर जनता की उत्साह को देखते हुए प्रतिदिन कार्यक्रम दो से तीन घंटा विलंब हो रहा है अब प्रदेश की जनता ने इस कांग्रेस सरकार को बदलने का मन बना लिया है जनता के पूरे सहयोग से समर्थन से आने वाले विधानसभा चुनाव में हम पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे। पत्रकारों द्वारा प्रतापपुर को जिला बनाए जाने के बहु प्रतिशत मांग को लेकर सवाल किए जाने पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा हमारे घोषणा पत्र का इंतजार कीजिए।

लंपी स्कीन रोग के संक्रमण से बचाव

हेतु जिले में पशुपालन विभाग अलर्ट

- पशुपालकों से अपील, संक्रमित मवेशी को अलग रखें,जिससे स्वस्थ मवेशियों में संक्रमण ना फैले
- उदयपुर विकासखण्ड के 9814 पशुओं का हुआ टीकाकरण,
- उपचार में लापरवाही की खबर का उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग ने किया खंडन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में लम्पी स्कीन रोग से पशुओं के बचाव और उनके उचित उपचार के लिए पशुपालन विभाग अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के विशेष संज्ञान पर इस रोग से मवेशियों के बचाव और उपचार के लिए विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में विकासखंड उदयपुर में लंपी रोग से पीड़ित पशुओं के उपचार में लापरवाही की खबर का उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग ने खंडन किया है। उन्होंने बताया कि उदयपुर विकासखंड अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 39 हजार 783 पशुओं का टीकाकरण किया गया है और वर्ष 2023-24 में अब तक 9 हजार 814 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। अभी वर्तमान वर्ष 2023-24 में कुल एलएसडी संक्रमित पशु 104 है जिनमें से 101 पशु स्वस्थ है और 1 पशु की मृत्यु हुई है और 02 नये केस दर्ज हुए है, जिनका उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि उदयपुर एलएसडी नियंत्रण हेतु दल गठित है जिनके नोडल डा. राहुल पेंड्रो वीएएस उदयपुर और सहायक नोडल हरकेश चौधरी एवीएफओ उदयपुर है। इनके द्वारा विकास खण्ड में निगरानी रखी जा रही है और सूचना प्राप्त होने पर त्वरित उपचार किया जा रहा है।

पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक ने बताया कि लम्पी स्कीन रोग एक विषाणु (वायरल) जनित रोग है। जो मुख्यतः मच्छर मक्खी के काटने एवं दूसरे पशु के सम्पर्क में आने से फैलता है। लम्पी स्कीन रोग से रोकथाम एवं बचाव के उपाय टीकाकरण ही एकमात्र बचाव का तरीका है। इस रोग हेतु गोट पॉक्स टीका लगाया जाता है।

पशुपालकों से अपील, संक्रमित मवेशी को अलग रखें, जिससे स्वस्थ मवेशियों में संक्रमण ना फैले - स्वस्थ पशुओं को अलग रखें और इस रोग से संक्रमित पशु को अलग रख के उसका उपचार करना चाहिए। उचित कीटनाशक का उपयोग कर मच्छर मक्खियों तथा अन्य बाह्य परजीवियों का भी नियंत्रण करना चाहिए।

मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट के जरिए भी 2400 से ज्यादा मवेशियों को मिला उपचार- राज्य में पशुधन के घर पहुंच इलाज की सुविधा हेतु ''मुख्यमंत्री गौवंश मोबाइल चिकित्सा योजना'' के तहत जिले में संचालित मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से अब तक 60 गौठानों में आयोजित शिविर के माध्यम से 2460 पशुओं का उपचार कर 2092 पशुओं को दवा दिया गया। वहीं 170 पशुओं का बधिकरण, 88 पशुओं के विभिन्न रोगों के सेम्पल टेस्ट एवं 423 पशुओं का टीकाकरण किया गया।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने मंदिर परिसर क़े भूमि पर किया भगवा ध्वज भूमि पूजन

वार्ड वासियों के कठिन परिश्रम के बाद बजरंगबली मंदिर का होगा निर्माण!

- संवाददाता -
सुरजपुर, 19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सूरजपुर में स्थित पुराना बस स्टैंड के पीछे मंदिर मोहल्ले वासियों के द्वारा विगत 4 सालों से शासन प्रशासन को लिखित सूचना से अवगत करा रहे थे लेकिन शासन प्रशासन ने इसे संज्ञान में नहीं लिया! मोहल्ले वासियों के द्वारा बताया गया कि विगत 40 से 50 वर्षों से इस वार्ड में बंगाली समाज के द्वारा काली पूजा का कार्यक्रम किया जाता है जिससे कि इस वार्ड का नाम बंगाली समाज के रहने से बंगाली पर से संबोधित किया जाने लगा! जो कि पूरा शहर इस बात से अवगत हैं सूचना के जिसकी सूचना वार्ड वासियों के द्वारा बजरंग दल को दी गई! बजरंग दल ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए उस मंदिर परिसर की वक्त भूमि पर ध्वज व भूमि पूजन का कार्यक्रम किया! और वार्ड व मोहल्ले वासियों के द्वारा इस वक्त भूमि पर भूमि पूजन के साथ-साथ यह निर्णय लिया गया कि यहां पर बजरंगबली का भव्य मंदिर बनाया जाएगा! जिससे कि वार्ड वासियों में सनातन धर्म एवं भक्ति भावना क़े साथ साथ हर्ष का माहौल जागरूक हुआ!

जिसमें वार्ड (मोहल्ले) वासिओ मै बासु हालदार, शंकर शाहा, विपिन चटर्जी, शेखर शहा, दीपू सिंह, लक्ष्मण कसेरा, विनोद चौबे, बॉबी चौबे, अशोक चटर्जी, शैलेंद्र विश्वास, आर्यन चौबे, आयुष पांडे, मेहुल विश्वास, गोलू विश्वकर्मा, देव हालदार, व आलोक घोष उपस्थित रहे!

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल से जिला पदाधिकारी अनुज साहू, विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष ,उत्पल चटर्जी,बजरंग दल विभाग संयोजक, दिनेश साहू, जिला पदाधिकारी संजू देवांगन, गोरक्षा प्रमुख पुष्पेंद्र अग्रहरि,नगर संयोजक पवन गुप्ता,नगर मंत्री भागीरथी निषाद, सहसंयोजक गोलू पांडे, गोरक्षा प्रमुख प्रदीप राजवाड़े, प्रखंड संयोजक रोहित कसेरा, गौ रक्षा प्रमुख जन्मजय राजवाड़े, खंड अध्यक्ष महेश साहू, खंड संयोजक दिनेश सिंह,प्रहलाद मिश्रा, अनुज राजवाड़े,अखड़ा प्रमुख आकाश साहू, सह अखाडा प्रमुख आकाश कसेरा, सासाहिक प्रमुख विशाल गुप्ता, सह-सासाहिक प्रमुख, अंशु कसेरा,सुरक्षा प्रमुख हरिओम मिश्रा,मिथिलेश राजवाड़े, सोनू साहू जयराज चटर्जी, गोलू विश्वकर्मा ने भूमि पूजन में श्रम योगदान दिया।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर, बुधवार 20 सितम्बर 2023

क्या किसी कार्यवाही पर संदेह व्यक्त करना गलत या संदेह व्यक्त करना अपराध है?

अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का भी है एक निर्णय,रिपोर्ट सही गलत हो सकती है, यही अभिव्यक्ति की आजादी

क्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाने का प्रयास कर रही कोरिया पुलिस?

क्या पुलिस की कमियां बताने वाले पत्रकार हाशिये पर रहते हैं?

पुलिस अपनी कमियां को क्यों पचा नहीं पाती?

क्या पत्रकार के लिए पुलिस का महिमा मंडल करना है सुरक्षा का विश्वास है?

क्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को अपना रोड़ा मानती है कोरिया पुलिस?

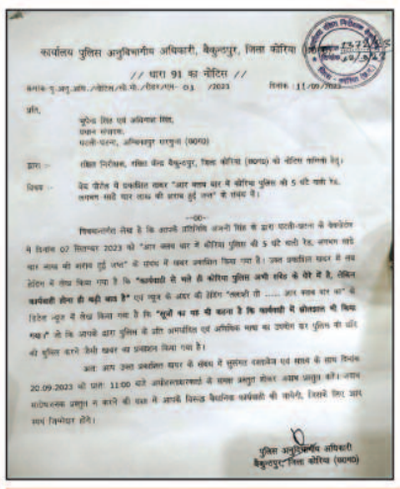

किसी मामले को संज्ञान में डालो तो पुलिस को दिक्कत और यदि पुलिस की कमियों को दिखा तो पुलिस को दिक्कत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में सही या ग़लत हो सकता है,लेकिन अपने विचार रखने की स्वतंत्रता का अधिकार हर किसी को है

पुलिस द्वारा भेजा गया नोटिस

दैनिक घटती-घटना के तरफ से भेजा गया जवाब

दैनिक घटती-घटना के सुधि पाठकों से जानना चाहेंगे कि इस खबर में कौन सा शब्द अमर्यादित एवं अविधिक भाषा का उपयोग हुआ है?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/अंबिकापुर,12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

वर्तमान शासन काल में पत्रकारिता करना काफी कठिन काम हो चला और वह भी उस समय जब जिम्मेदारों की कमियां बताई जाए तब, कमियों का एहसाह करवाना ही पत्रकार के लिए बड़ी मुसीबत है, जब तक महिमा मंडन कीजिए तब तक पत्रकारिता और पत्रकार दोनों सुरक्षित हैं, यदि कमियां दिखाएं या बताया तो फिर सुरक्षा भूल जाइए और कार्यवाही के लिए तैयार रहीए। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबा के रखना उनके सुख को प्रदर्शित करता है और उनके कमियों की आड़ बनी रहती है। पिछले कुछ सालों से कमियों को बताने व आलोचना करने वाले पत्रकारों को पुलिस झूठे एफआईआर व नोटिस भेज कर दबाने का चौतरफा का प्रयास कर रही है? यदि कार्यवाही में कोई संदेह निर्मित होता है तो क्या उसे व्यक्त नहीं किया जा सकता? यदि पुलिस की कार्यवाही में कहीं कमी है और संदेह के दायरे में दिख रही है तो उस बात का उल्लेख करना पत्रकार के लिए खतरे से खाली नहीं? वैसे लगातार कोरिया पुलिस की कार्यप्रणाली ऐसी ही देखी जा रही है, पत्रकार जो निष्पक्ष है खबरों के मामले में जो समझौता नहीं करता उसको लेकर कोरिया पुलिस छपा छपाया नोटिस तैयार रखती है।

कोरिया पुलिस ने हाल फिलहाल में कई कार्यवाहियां की हैं और उन कार्यवाहियों को लेकर कोरिया पुलिस ने कई प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की है वहीं कुछ मामलों को छोड़ दें तो कई मामलों में कार्यवाहियों को लेकर जो प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है, किसी भी प्रेस विज्ञप्ति में जारी करने वाले का हस्ताक्षर व सील नहीं होता, क्या इस तरह का प्रेस विज्ञप्ति जारी करना न्याय विरुद्ध नहीं है? जबकि न्यायालय भी कहता है की प्रेस विज्ञप्ति जारी करने वाले का हस्ताक्षर व सील होना ही प्रेस विज्ञप्ति की पुष्टि करता है, क्या यह उसमे कहीं न कहीं यह देखा गया है की उन कार्यवाहियों में कमियां हैं या कुछ छूट रहा है ऐसा नजर आया है और उन्ही कमियों को लेकर घटती घटना ने समाचार का प्रकाशन किया है। समाचारों में घटती-घटना ने पुलिस कार्यवाही का एक ही पक्ष नहीं प्रकाशित किया गया है कई सूत्र जनित जनचर्चा भी सुनकर समझकर समाचारों का प्रकाशन किया गया है, जिसमे यदि कमियां बताई भी गई हैं पुलिस कार्यवाही की तो पुलिस की सफलता का भी उल्लेख किया गया है, लेकिन कोरिया पुलिस कमियों को लेकर इतनी व्यग्र नजर आ रही है की लगता है उसे कमियां सुनने का जरा भी धीरज नहीं है। वह केवल बड़ाई अपनी सुनने की आदि है और यदि किसी ने उसकी कार्यवाहियों में कोई कमी निकाली वह उस पत्रकार के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध करने से भी पीछे नहीं हटने वाली, साथ ही वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी तो आम हो गई है। घटती-घटना के पत्रकार को एक बार फिर पुलिस ने नोटिस जारी किया और वह नोटिस भी 91 का जो कहीं से भी नियम विरुद्ध है, जानकारों की माने तो 91 का नोटिस अपराध पंजीकृत करने के बाद ही जारी किया जाता है, पर यहां तो पुलिस ने 91 का नोटिस ऐसे ही जारी करती है और उसमें अपराध क्रमांक का कोई भी जिक्र नहीं होता, साथ ही पुलिस का यह भी कहना है की खबर में अमर्यादित व अविधिक शब्द है, पुलिस के लिए झोलझाल अमर्यादित अविधिक शब्द माना जा रहा, पर क्या पुलिस अमर्यादित व अविधिक शब्द की परिभाषा जानती है?

पुलिस के नोटिस से जुड़े कुछ सवाल

सवालः- भेजे गए नोटिस में किस पुलिस अधिकारी के द्वारा यह नोटिस भेजा गया है?

सवालः- यह कहीं भी स्पष्ट नहीं है,यह नोटिस किसने भेजा है? और किसके द्वारा भेजा गया है? नोटिस भेजने वाले अधिकारी का नाम नहीं होने से यह समझ पाना असंभव है?

सवालः- आपके द्वारा नोटिस भेजे जाने से पहले क्या आपके द्वारा जनसंपर्क विभाग छत्तीसगढ़ से अथवा छत्तीसगढ़ शासन से किसी भी प्रकार की कोई अनुमति ली गई है, अथवा नहीं?

सवालः- क्या उक्त प्रकाशन के संबंध में आपसे किसी ने कोई शिकायत की है या फिर आपने स्वतः संज्ञान लिया है?

सवालः- क्योंकि नोटिस में शिकायतकर्ता का नाम और नोटिस भेजने वाले अधिकारी का नाम दोनों नहीं है?

सवालः- आपके द्वारा किस आधार पर यह तय किया गया कि पुलिस की छवि धुमिल हुई?

सवालः- क्या प्रकाशन से जो छवि धुमिल हुई उसे नापने का आपके पास कोई पैमाना है?

सवालः- आपके द्वारा जारी नोटिस में यह उल्लेख है कि अमर्यादित एवं अविधिक भाषा का उपयोग किया गया यह स्पष्ट करना आवश्यक था कि उक्त प्रकाशन के आधार पर क्या कोई प्रकरण पंजीबद्ध हुआ है, अथवा नहीं?

सवालः- पुलिस प्रकाशन के बाद सोशल मीडिया पर वायरल खबर की विवेचना एवं पुलिस की कार्यशैली पर होने वाले प्रभाव एवं धुमिल होने की विवेचना किस आधार पर करती है?

सवालः- क्या दैनिक घटती-घटना एक जागरूक अखबार के तौर पर जो की लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी है,यह खबर प्रकाशन नहीं करता तो क्या उक्त समाचार का स्वरूप बदल जाता?

सवालः- क्या जारी प्रेस नोट में यह उल्लेख है कि किन किन तरह की खबर का प्रकाशन किया जाये?

सवालः- भेजे गये नोटिस को क्यों ना गलत तरीके से की गई छापेमारी का आधार माना जाये?

सवालः- 5 घंटे की कार्यवाही में पूरा जिला जान गया कि छापा एक कथित होटल में पड़ा और जब विज्ञप्ति आई तो पता चला की छापा आर क्लब बार में पड़ा तो इस कार्यवाही को झोलझाल ना कहे तो क्या कहेगे, आप ही स्पष्ट करे?

सवालः- यह बात सूत्रों के हवाले से कही गई है की कार्यवाही जिसमें की गई कार्यवाही में झोलझाल माना जा रहा है, यदि झोलझाल नहीं था तो फिर पुलिस ने इस मामले में अपना बयान क्यों नहीं जारी किया और मीडिया को भी अंदर जाने से क्यों रोका गया था?

सवालः- पूरी खबर में क्या सिर्फ पुलिस को दो लाइन ही पसंद नहीं आई बाकी सारी लाइन पुलिस के लिए सही है?

सवालः- पुलिस अपनी कमियों का खबर से ही संज्ञान क्यों लेती है जब पुलिस को कमियां बताई जाती है तो उस पर संज्ञान क्यों नहीं लेती?

सवालः- यदि पुलिस के कार्यवाही में झोलझाल नहीं है तो पुलिस वहां का सीसीटीवी फुटेज व कार्यवाही के दौरान पुलिस द्वारा बनाई गई वीडियो उपलब्ध कराए? सारे सबूत पुलिस के पास ही उपलब्ध है?

सवालः- कौन सा शब्द अमर्यादित है एवं अविधिक भाषा का उपयोग हुआ है यह क्यों स्पष्ट नहीं किया गया है?

सवालः- इस नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर निवेदन है हमें बताएं कि आगे हमारे द्वारा क्या कार्यवाही की जाए?

नोटः- (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

91 के नोटिस पर उच्च न्यायालय बिलासपुर के एक फैसले

माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के एक फैसले के अनुसार छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि मामला धारा 154 सीआरपीसी के तहत दर्ज नहीं है। ऐसे में आप 91 धारा सीआरपीसी का नोटिस कैसे जारी कर सकते हैं? पुलिस को ये अधिकार मिलता है कि वो एफआईआर दर्ज करने से पहले वो अनुसंधान और जांच करें। इसमें आप धारा 91 सीआरपीसी का नोटिस जारी नहीं कर सकते हैं। हाईकोर्ट की तरफ से तब कहा गया कि प्रारम्भिक जांच में पुलिस के द्वारा धारा 91 सीआरपीसी नोटिस जारी नहीं किया जा सकता है। आज्ञापत्र क्रामंक 678/2020 केस ला राजेश्वर शर्मा बनाम छत्तीसगढ़ राज्य का अवलोकन करना आपको आवश्यक होगा।

पुलिस की आपत्ति इस पर

क्रमांक-पु.अनु.अधि./नोटिस/सो.मी/रीडर/एम 01 2023 दिनांक 11/09/2023 के नोटिस में विषयांतर्गत लेख है कि 'आर क्लब बार में कोरिया पुलिस की 05 घंटे चली रेड लगभग साढ़े चार लाख की शराब हुई जप्त' फिर नीचे लेख है कि कार्यवाही से भले ही कोरिया पुलिस अभी संदेह के घेरे में है, लेकिन कार्यवाही होना ही बड़ी बात है। फिर नीचे उल्लेख है कि **हेडिंग तलाशी तो................आर क्लब बार का, फिर नीचे लेख है कि सुत्रों का यह भी कहना है कि कार्यवाही में झोलझाल भी किया गया।** अब इसमें कौन सा शब्द अमर्यादित है एवं अविधिक भाषा का उपयोग हुआ है यह क्यों स्पष्ट नहीं किया गया है? पर यदि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(अ)- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत आपके द्वारा भेजा गया नोटिस विधिसंगत नहीं है, नोटिस में विषयांतर्गत लेख है कि....**आर क्लब बार में कोरिया पुलिस की 05 घंटे चली रेड लगभग साढ़े चार लाख की शराब हुई जप्त**.... फिर नीचे लेख है कि...**कार्यवाही से भले ही कोरिया पुलिस अभी संदेह के घेरे में है,** लेकिन कार्यवाही होना ही बड़ी बात है। फिर नीचे उल्लेख है कि **हेडिंग तलाशी तो**...............आर क्लब बार का, फिर नीचे लेख है कि ÷÷सुत्रों का यह भी कहना है कि कार्यवाही में झोलझाल भी किया गया। उक्त चारों अलग अलग विषयांतर्गत प्रश्न लगाऐं गये हैं, ऐसे में नोटिस में यह कहीं भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि, पुलिस की छवि किन लाईनों के वजह से धुमिल हुई, नोटिस में वास्तविक तौर पर जिन लाईनों पर आपत्तियां थी उन्हें स्पष्ट तौर पर लेख कर पुछा जाना चाहिए था।

अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का भी है एक निर्णय, रिपोर्ट सही गलत हो सकती है,यही अभिव्यक्ति की आजादी

दैनिक घटती-घटना के पत्रकार को जिस तरह से एक खबर के आधार पर नोटिस भेजकर कोरिया पुलिस ने परेशान करने का प्रयास किया है उसे यदि सुप्रीम कोर्ट के ताजा मामले के अनुसार और निर्णय के अनुसार देखा जाए तो वह अभिव्यक्ति की आज़ादी का उलंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसाग्रस्त क्षेत्र पहुंचे एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के चार सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्रकरण को रद्द क्यों न किया जाए ऐसा कार्यवाही के दौरान कहा था, वहीं शिकायतकर्ता को यह कहा था की वह स्थापित करे की विभिन्न जाति समूहों के बीच एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की रिपोर्ट की वजह से दुश्मनी बढ़ेगी। कोर्ट ने कहा की पत्रकार सही या गलत हो सकते हैं पूरे देश में हर दिन गलत चीजें रिपोर्ट हो रही हैं तो क्या अथॉरिटी पत्रकार पर मुकदमा चलाएगी? मामला जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने लिया है संज्ञान। मणिपुर हिंसा की रिपोर्ट पर एडिटर्स गिल्ड के ख़िलाफ़ केस अभिव्यक्ति की आज़ादी के खिलाफ़कोर्ट हिंसाग्रस्त मणिपुर संबंधी एक फैक्ट-फाइंडिंग रिपोर्ट को लेकर राज्य पुलिस द्वारा दायर एफआईआर को एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि गिल्ड अपनी रिपोर्ट में सही या ग़लत हो सकता है, लेकिन अपने विचार रखने की स्वतंत्रता का अधिकार हर किसी को है। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में गिल्ड की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें इसके सदस्यों के खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती दी गई है, सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा, यह मानते हुए कि उन्होंने जो कहा वह झूठ है और आपका कहना है कि हर पैराग्राफ झूठा है, लेकिन किसी लेख में गलत बयान देना धारा 153 ए के तहत अपराध नहीं होता, यह त्रुटिपूर्ण हो सकता है, त्रुटिपूर्ण चीजें देश भर में हर दिन रिपोर्ट की जाती हैं, क्या आप धारा 153 ए के लिए पत्रकारों पर मुकदमा चलाएंगे? सीजेआई ने कहा कि ईजीआई मणिपुर हिंसा के पक्षपातपूर्ण मीडिया कवरेज के बारे में अपनी रिपोर्ट में सही या गलत हो सकता है, लेकिन अपने विचार रखने के लिए उसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। जब शिकायतकर्ताओं ने बार-बार ईजीआई द्वारा अपनी रिपोर्ट के माध्यम से मणिपुर में किए गए नुकसान का उल्लेख किया तो सीजेआई बोले, मुद्दा उठाया है तो हमें पहले इस बारे में बताइए कि इन अपराधों हुए हलफनामा दायर करें,इसे रिकॉर्ड पर रखें, शिकायतें और एफआईआर क्यों रद्द नहीं की जानी चाहिए...

58 माह बाद बैकुंठपुर विधायक को जनसंपर्क की आई याद,पदयात्रा की उन्होंने प्रारंभ

विधायक की पदयात्रा रिपोर्ट कार्ड सुधारने की उनकी कोशिश,टिकट तय होने तक जारी रहेगा जन संपर्कःसूत्र

58 माह में किए गए विकास कार्यों को विधायक धरती के 500 मीटर ऊपर से दिखाने का भी कर रहीं हैं प्रयास, ड्रोन कैमरे की विडियो अब उनका प्रचार माध्यम

क्या अब चुनाव होने तक जारी रहेगा जन संपर्क विधायक की पैदल यात्रा,या फिर रिपोर्ट कार्ड सुधरने तक ही है जारी यह पदयात्रा?

जनता के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना का भाव 58 माह बाद वापस लौटा,अब जनता से मिल रहीं विधायक,लोगों ने भी मुलाकात में दिया उन्हे समय

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

58 माह बाद बैकुंठपुर विधानसभा की विधायक को अपना जनसंपर्क जरूरी जान पड़ा और अब वह जनसंपर्क में निकल चुकी हैं और उन्हे अब पैदल चलकर लोगों से मिलते देखा जा सकता है। चुनाव आगामी दो माह बाद ही प्रदेश में होने हैं विधानसभा के और ऐसे में विधायक की पदयात्रा को उससे भी जोड़कर देखा जा रहा है और अब जमीन की याद उन्हे आई यह समझा जा रहा है। एक विधायक को पूरे 60 माह मिलते हैं एक कार्यकाल में जब वह जनता द्वारा चुना जाता है और जनता की आवाज बनकर विधानसभा में जाता है। 60 माह के लिए जनता लोकतांत्रिक प्रकिया अनुसार अपना प्रतिनिधि इस उम्मीद से चुनती है की वह उसकी समस्याओं उसकी जरूरतों को समझेगा और उसके बाद वह समस्याओं का निराकरण कैसे हो सके इसको लेकर योजनाओं पर काम करेगा तदुपरान्त वह विधानसभा में जाकर उसकी उन समस्याओं को निराकरण के लिए प्रयास करेगा और उनसे उन्हे निजात दिलाएगा। समस्याओं से साथ ही उसकी मूलभूत जरूरते हैं इस अपेक्षा में विधायक के साथ जनता की जुड़ती हैं और वह यह मानकर चलता है की वह उसे निर्बाध

मिलती रहेंगी और वह उसके लिए परेशान नहीं होगा। वहीं जनता यह भी उम्मीद रखती है की उसका प्रतिनिधि जिसे उसने चुनकर निर्वाचित कर विधानसभा में भेजा है वह केवल विधानसभा तक राजधानी तक ही सीमित न रह जाए वह उसके दुख सुख में भी शरीक हो जहां दुख में वह ढांढस बढ़ाने का काम करे और सुख में उसके साथ खड़ा होकर उसे गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान करे। इस तरह एक जनप्रतिनिधि जनता की नजर में केवल विकास कार्यों साथ ही निर्माण कार्यों की स्वीकृति मात्र के लिए नहीं चुना जाता वह जनता द्वारा अपने लिए हर समय उपलब्ध रहने के हिसाब से भी चुना जाता है और यही जनता उम्मीद करती है। हर समय से यह भी मतलब नहीं होता की निर्वाचित जनप्रतिनिधि का कोई व्यक्तिगत समय उसके लिए सुरक्षित नहीं रहता वह हर समय जनता के लिए ही खड़ा रहे फिर भी जनता यह उम्मीद रखती है की जब उसे जरूरत हो उसकी कठिनाइयों में उसकी फरियाद समय पर जनप्रतिनिधि तक पहुंच जाए और उसका निराकरण उसे मिल जाए।

विधायक जन संपर्क को लेकर हुईं गंभीर,हाट बाजारों सहित ग्रामों का भ्रमण 58 माह बाद किया जारी

बैकुंठपुर विधायक अब 58 माह के कार्यकाल के बाद गंभीर नजर आने लगी हैं आगामी चुनाव के मद्देनजर,अब उन्हे जनसंपर्क करते देखा जा रहा है। उनका जन संपर्क अब हाट बाजारों सहित ग्रामों में बड़ी तेजी से जारी है,वह पदयात्रा भी करती देखी जा रही हैं। उनके साथ उनके खास कुछ समर्थक मौजूद रह रहे हैं और वही अब उनके लिए जनता के बीच समर्थन जुटा रहें हैं। विधायक प्रतिदिन अब जन संपर्क कर रहीं हैं और लोगों के बीच पहुंचने का वह प्रयास कर रही हैं।

पटना साप्ताहिक बाजार में विधायक ने किया जनसंपर्क...की पदयात्रा

विधायक की पदयात्रा या जनसंपर्क पटना साप्ताहिक बाजार से आरंभ हुई जो गत सप्ताह हुई,इस दौरान विधायक ने सब्जी विक्रेताओं से अन्य व्यापारियों से साथ ही बाजार में पहुंचे लोगों से मुलाकात की,उन्हे कुछ प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान के व्यापारियों से भी मुलाकात की और उनके बीच बैठकर उनसे बातचीत की। पटना साप्ताहिक बाजार खासकर शनिवार का साप्ताहिक बाजार काफी बड़े क्षेत्र में लगता है और वहां काफी दूर दूर से लोग बाजार करने पहुंचते हैं,विधानसभा के सभी दलों के नेताओं के लिए यह दिन काफी खास होता है जनसंपर्क के लिए। विधायक ने भी यहीं से अपनी नई पारी के लिए जन संपर्क की शुरुआत की है। जन संपर्क के दौरान लोगों ने उनसे बड़े आदर भाव के साथ मुलाकात किया और सामान्य चर्चा उनसे की।

निर्वाचित विधायकों के पास जनता के लिए समय नहीं है

इस तरह एक व्यापक बड़ी जिम्मेदारी एक जनप्रतिनिधि जो निर्वाचित होता है उसकी होती है खासकर विधायक के मामले में यह विशेष महत्व रखती है लेकिन प्राय आजकल देखने को मिल रहा है निर्वाचित विधायकों के पास जनता के लिए समय नहीं है उनके पास विकास कार्य बताने के लिए तो हैं लेकिन जनता के सुख दुख में उनकी सहभागिता कितनी रहती है यह देखा जा रहा है जो कम है। जनप्रतिनिधि ज्यादा समय अपने निर्वाचन क्षेत्र से अलग राजधानी में बिताते हैं आजकल यह एक परंपरा बनी हुई है और उनका अपने निर्वाचन क्षेत्र में समय नहीं कटता यह माना जाता है,वैसे समय समय पर वह आते जरूर हैं क्षेत्र में लेकिन वह भी उनका आंशिक दौरा क्षेत्र भ्रमण साबित होता है। किसी शासकीय आयोजन या जहां भीड़ इकट्ठी हो पांच सालों तक निर्वाचित जनप्रतिनिधि विधायक वहीं तक सीमित रहते हैं और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश बिल्कुल नहीं करते, जबकि विधानसभा का सत्र भी हफ्ते दो हफ्ते का ही होता है वह भी कई महीनो बाद आता है जब उन्हे राजधानी में विधानसभा में होना अनिवार्य होता है, वहीं उसके बाद का समय उनका निर्वाचन क्षेत्र का होता है जिसमे वह कटौती करते देखे जाते हैं।

बैकुंठपुर विधायक को 58 माह बाद याद आया की उन्हे जन संपर्क करना चाहिए

बैकुंठपुर विधायक को 58 माह बाद याद आया की उन्हे जन संपर्क करना चाहिए और वह अब निकल पड़ी हैं,दो माह बाद ही चुनाव हैं और उसकी तैयारी के रूप में उनका यह भ्रमण माना जा रहा है। वैसे सत्ताधारी दल के द्वारा कराए गए सर्वे में बैकुंठपुर विधायक को जनसंपर्क मामले में कमजोर माना गया है और पार्टी के सामने इसे कमजोर परफॉर्मेंस के रूप ने देखा जा रहा है और यह भी उनके भ्रमण का एक कारण माना जा रहा है जिससे अंतिम समय में उनका परफॉर्मेंस सुधरा हुआ नजर आए। अभी चूंकि टिकट भी तय नहीं है और पार्टी अंतिम रूप से सभी दावेदारों की समीक्षा उनके जन संपर्क की समीक्षा जरूर करेगी और विधायक यह भांप चुकी हैं या उन्हें इस बात का एहसास कराया गया है इसलिए भी वह जनसंपर्क में निकल चुकीं हैं यह माना जा रहा है,अब वजह जो भी हो लेकिन बैकुंठपुर विधायक का जनसंपर्क तेज हो चुका है और उनकी पदयात्रा देखी जा रही है कुछ खास समर्थक भी उनके साथ अब चल रहे हैं उनका साथ दे रहें हैं लेकिन जनता अभी मौन है और वह अंतिम समय में निर्णय लेती है यह देखा जाता रहा है।

CMYK

विधानसभा की दावेदारी कर शैलेष शिवहरे दिखा रहे अपना दम

पोस्टर,बैनर,कटआउट से लेकर दीवार लेखन में भी आगे | प्रचार वाहन के साथ क्षेत्र में निकलकर हाट बाजारो में चल रहा जनसंपर्क | आए दिन किसी न किसी आयोजन के माध्यम से लोगो से मिलने का जारी है क्रम | पूर्व मंत्री भैयालाल का टिकट कटा तो शिवहरे को मिल सकता है मौका

आखिर क्यों कट सकता है पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े का टिकट

राजनैतिक जानकारो का कहना है कि यदि समीकरण पर गौर किया जाए तो इस बार बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी नए चेहरे को मौका दे सकती है। इसके पीछे कारण यह बतलाया जा रहा है कि पहले चरण के टिकट बंटवारे मे पार्टी ने भंटगाव सीट से पहली बार राजवाड़े समाज को टिकट दिया है,पूर्व में पार्टी द्वारा सरगुजा संभाग में एकमात्र सीट बैकुण्ठपुर सीट से चार बार पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े को टिकट देकर समाज को साधने का प्रयास किया गया, हलांकि बैकुंठपुर सीट पर प्रत्याशी उतारे जाने के बाद भी सुरजपूर,भटगांव आदि विधानसभा क्षेत्र में कोई खासा प्रभाव नही पड़ा और भाजपा को नुकसान ही उठाना पड़ा था,इसी वजह से पार्टी ने इस बार रणनीति बदलते हुए भटगांव से राजवाड़े समाज को टिकट देकर नया दांव खेला है। बतलाया जाता है कि इसके बाद एक ही संभाग में उसी समाज को पार्टी दोबारा टिकट देगी,इसकी संभावना काफी कम है। जानकारो का कहना है कि पार्टी ने भैयालाल राजवाड़े को 4 बार लगातार उम्मीदवार बनाया है,जिसमें 2003 के पहले चुनाव में वे पूर्व वित्तमंत्री स्व डॉ. रामचंद्र सिंहदेव से लगभग 5 हजार मतो से चुनाव हार गए। वर्ष 2008 के चुनाव में कांग्रेस के वेदांति तिवारी से लगभग 5000 मतो के अंतर से जीत दर्ज की,और फिर संसदीय सचिव बनाये गए। वर्ष 2013 के चुनाव में कांग्रेस के वेदांति तिवारी ने पुनःकड़ी टक्कर दी और बमुश्किल श्री राजवाड़े 1000 से चुनाव जीत पाए जिसके बाद प्रदेश में उन्हे केबिनेट मंत्री बनाया गया। वहीं 2023 के चुनाव में पार्टी ने फिर उन्हे उम्मीदवार बनाया और राजपरिवार की सदस्य अंबिका सिंहदेव से श्री राजवाड़े लगभग 5000 मतो से चुनाव हार गए। हलांकि प्रदेश में भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया था जिसके बाद यह निष्कर्ष निकला कि प्रदेश में पुराने चेहरो से जनता में नाराजगी थी यदि अधिकांश सीट पर चेहरे बदल दिए जाते तो इतना बुरा हाल नही हुआ रहता। और जनता की नाराजगी भाजपा को बैकुंठपुर सीट पर भी झेलनी पड़ी जिससे यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई,अब कयास लगाये जा रहे हैं कि इन सभी बातो को ध्यान में रखते हुए पार्टी यहां से नए चेहरे पर दांव लगा सकती है।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा का चुनाव अब काफी करीब आ चुका है, प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने पहले चरण मे 21 प्रत्याशियों का ऐलान कर सभी को चैका दिया है तो वहीं अब बाकी अन्य दावेदार क्षेत्र में काफी सक्रिय दिखलाई देने लगे है। भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व इस बार छत्तीसगढ पर पूरा फोकस कर रहा है,यही कारण है कि प्रदेश में ओम माथुर जैसे दिग्गज भाजपा नेता ने प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पिछले कई महीनो से डेरा डाल रखा है। तो वहीं बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में भी भारतीय जनता पार्टी में दावेदारों ने पार्टी को विचार करने पर मजबूर कर दिया है,इस बार बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े की टिकट कटने की संभावना भी जताई जा रही है, इस संभावना के बाद अब अन्य दावेदार पूरी तरह से जनता के बीच दिखलाई पड़ रहे हैं। दावेदारी के क्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष व बैकुंठपुर के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शैलेष शिवहरे के द्वारा पूरे क्षेत्र में एक माहोल बनाने का प्रयास किया गया है,उन्होने दावेदारी में जमकर शक्ति प्रदर्शन किया है।

क्षेत्र में जारी है जनसंपर्क का दौर

पूर्व में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने बयान दिया था कि पार्टी इस बार कई सीटों पर नए चेहरे को मौका दे सकती है,इसके बाद प्रदेश भर में नए चेहरो की दावेदारी बढी है,बैकुंठपुर सीट पर भी नए चेहरे के रूप में शैलेष शिवहरे की दावेदारी मजबूत हुई है,उनके द्वारा अपना जनसंपर्क काफी तेजी से बढाया गया है।

पोस्टर,बैनर,दीवार लेखन में भी आगे

भाजपा से टिकट की दावेदारी के करते हुए शैलेष शिवहरे ने प्रचार अभियान को भी गति दी है,पहली बार विधानसभा क्षेत्र में किसी दावेदार का इतना प्रचार प्रसार देखा जा रहा है,पूरे क्षेत्र में श्री शिवहरे द्वारा दीवार लेखन कराया गया है,जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से लेकर अन्य क्षेत्रों में दीवारों पर पोस्टर भी लगाया गया है,वहीं कई जगह पर बैनर लगाकर भी प्रचार किया जा रहा है।

प्रचार वाहन लेकर हाट बाजारो मे जारी है जनसंपर्क

दावेदारी करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने इस बार एक प्रचार वाहन भी तैयार कराया है जिसमें बदलबो बदलबो ए दारी कांग्रेस सरकार ला बदलबो की थीम के साथ पूरे विधानसभा क्षेत्र के और खासकर हाट बाजारों में वाहन के माध्यम से प्रचार किया जा रहा है साथ ही पंपलेट वितरण कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया गया है।

आयोजन कराकर जनता के बीच बनी है खासी पकड़

शैलेष शिवहरे की पहचान एक धार्मिक व्यक्ति के रूप में भी बनी हुई है,वे देवरहा समिति के अध्यक्ष भी है,इस समिति द्वारा बैकुंठपुर क्षेत्र में वर्ष भर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, उनके धार्मिक आयोजनों में महिला वर्ग की अच्छी खासी मौजूदगी रहती है। सामाजिक कार्यक्रम में भी इनकी सक्रियता रहती है,किसी परिवार में निधन होने पर समिति द्वारा निःशुल्क लकड़ी की व्यवस्था अंतिम संस्कार के लिए की जाती है। इन सभी माध्यम से श्री शिवहरे की लोकप्रियता काफी अधिक है।

परिवर्तन यात्रा के बाद जारी हो सकती है भाजपा की दूसरी सूची

भाजपा ने 21 सीटो पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा अगस्त माह में किया था,जिसके बाद हर दूसरे दिन यह कयास लगाया जा रहा था कि अब दूसरी सूची जल्द आएगी,लेकिन इसी बीच अब खबर मिल रही है कि विरोध को देखते हुए पार्टी ने रणनीति बदल दिया है और अब पूरी संभावना है कि प्रदेश में भाजपा द्वारा निकाली गई परिवर्तन यात्रा के समापन के बाद पार्टी दूसरी सूची जारी करेगी।

साहू समाज की संख्या ज्यादा लेकिन बड़ा चेहरा नही होने से दावेदारी खत्म

क्षेत्र में यह बात प्रचलित थी कि बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर राजवाड़े समाज के मतदाताओं की संख्या ज्यादा है,इस आधार पर पार्टी ने पिछले चार चुनाव में राजवाड़े समाज से टिकट दिया था,लेकिन दो चुनाव में हार और दो चुनाव में जीत मिली मतलब मुकाबला बराबरी का रहा है। अब यह बात सामने आ रही है कि बैकुंठपुर क्षेत्र में राजवाड़े समाज नही बल्कि साहू समाज के मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है,एक अनुमान के मुताबिक राजवाड़े समाज के मतदाताओं की संख्या लगभग 18 हजार के करीब है जबकि साहू समाज के मतदाताओं की संख्या लगभग 26 हजार है तो वही गोड़ समाज के मतदाताओं की संख्या 40 हजार के भी पार है। बीच में यह बात सामने आ रही थी कि बैकुंठपुर विधानसभा सीट से भाजपा साहू समाज को भी टिकट दे सकती है किंतु पार्टी स्तर से सर्वे में यह निष्कर्ष निकला कि इस क्षेत्र में साहू समाज से ऐसा कोई भी बड़ा चेहरा जनता के बीच मौजूद नही है जो सर्वमान्य हो और जिताउ हो। जिससे कि इस सीट पर साहू समाज को टिकट मिलने की उम्मीद भी खत्म हो गई है,हलाकि साहू समाज अभी भी सरगुजा संभाग में एक सीट पर साहू समाज को टिकट देने की मांग कर रहा है।

शैलेष शिवहरे के नाम पर विचार कर सकती है पार्टी

क्षेत्र में इस बार भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने पूरे दमखम के साथ अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है,पिछले कई माह से वे लगातार ग्रामीण क्षेत्रो को दौरा करते हुए देखे जा रहे हैं,उनकी दावेदारी के बाद पार्टी में नए समीकरण भी देखने को मिल रहे हैं। श्री शिवहरे पूर्व मंत्री श्री राजवाड़े के भी करीबी रहे हैं सभी समाजो से उनकी मधुरता है,लोकप्रियता में भी उनकी कही कोई कमी नही है,यह कहा जा सकता है कि श्री राजवाड़े के बाद वर्तमान में भाजपा के पास शैलेष शिवहरे के कद का दूसरा नेता नही है जो जनता में सर्वमान्य हो,इन सभी बातो को देखते हुए कयास लगाया जा रहा है कि भैयालाल राजवाड़े को टिकट कटने की स्थिति में भाजपा शैलेष शिवहरे को भी टिकट दे सकती है।

परिवर्तन यात्रा से पहले शहर को शैलू मय किया गया

भाजपा की परिवर्तन यात्रा आज मंगलवार को बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में आ रही है, यात्रा कुड़ेली से जिले में प्रवेश करेगी,जिसके बाद बैकुंठपुर पहुंचेगी और सभा के बाद रात्रि विश्राम होगा। यात्रा को लेकर बैकुंठपुर क्षेत्र में शैलेष शिवहरे द्वारा काफी प्रचार प्रसार किया गया है,यात्रा के पूरे मार्ग में बैनर पोस्टर लगाये गए है,बैकुंठपुर शहर को भी शैलेष मय कर दिया गया है,बड़े बड़े पोस्टर लगाकर माहोल बनाया जा रहा है।

क्या समाजिक राजनीति क्षेत्र में हो रही हावी,पड़ेगा बुरा असर?

पिछले कई चुनाव में बैकुण्ठपुर से राजवाड़े समाज को टिकट दिया गया अब इसी कड़ी में साहू समाज भी दावेदारी कर रहा है। यह यह बात अहम है कि जिस समाज के ज्यादा वोटर होंगे अब उसी समाज पर पार्टी भी फोकस करने लगी है,लेकिन यह राजनीति कहीं से उचित नही है। यदि किसी भी पार्टी का उम्मीदवार सिर्फ जातिवादी राजनीति पर उतारू होता है तो यदि अन्य समाज मिलकर एक हो जाए और उसके खिलाफ वोट करे तो परेशानी पैदा हो सकती है। जब किसी भी समाज को नेतृत्व का मौका मिल जाता तो उसके द्वारा अपने समाज को ज्यादा महत्व देकर अन्य समाजों को नीचा भी दिखलाया जाता है। जातिवाद की राजनीति इस क्षेत्र में अब घातक साबित हो रही है।

महाबली बजरंग बली गीत हुआ लॉन्च..आयुष नामदेव का हुआ पहला गाना रिलीज

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

महाबली बजरंग बली गीत हुआ लॉन्च..आयुष नामदेव का हुआ पहला गाना रिलीज, सुंदरानी प्रोडक्शन हाउस रायपुर के भक्ति माला यूट्यूब चैनल से हुआ गाना रिलीज, जिला पंचायत ऑडिटोरियम में कोसम महोत्सव में हुआ गाने का पोस्टर लांच, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की उपस्थिति में हुआ लांचिग। हनुमान जी और रामायण की चौपाई पर आधारित है आयुष नामदेव का यह पहला भक्ति गीत। छत्तीसगढ़ के आयुष नामदेव पहले भी प्रदेश और देश के बड़े मंचो

पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ा रहे है लगातार हिंदी छत्तीसगढ़ी गजल सूफी भक्ति गीतों का प्रदर्शन करते आ रहे है, उसी तारतम्य में आयुष नामदेव का पहला गीत जो कि हनुमान जी पर आधारित है उसका आज सुंदरानी प्रोडक्शन हाऊस के यूट्यूब चैनल में भजन लॉन्च हुआ, इस गीत को लिखा है बैकुंठपुर के धनेंद्र मिश्रा ने इसके निर्माता हैं लखि सुंदरानी और इसके डायरेक्टर है मनराज मोहंती और इसे अपनी मधुर आवाज में गाया है गायक आयुष नामदेव ने, आयुष नामदेव ने बताया है कि अब लगातार उनके हिन्दू छत्तीसगढ़ी भजन गीत जनता के सामने आते रहेंगे और आप सभी उन्हें अपना अपार प्यार और स्नेह दे, दो दिवसीय कोसम कोरिया साहित्य महोत्सव में दुतीय दिवस के आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी सहित साहित्यकार कई जनप्रतिनिधि के बीच आयुष नामदेव का भक्ति गीत लॉन्च हुआ पोस्ट लॉन्चिंग के बाद आयुष नामदेव के कार्य की उनके गीतों की सदन ने सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की।

राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए नवोदय के सागर और हर्ष के विज्ञान मॉडल का हुआ चयन

-संवाददाता-
कोरबा,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्थानीय जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा कोरबा के दो होनहार छात्र सागर सिंह और हर्ष मार्को के विज्ञान मॉडल का चयन राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए हुआ है इसकी सूचना नवोदय विद्यालय कोरबा के प्राचार्या शांति मोहंती के निर्देश पर रसायन विज्ञान शिक्षक और गाइड शिक्षक संतोष कुमार चौरसिया ने बताया कि कक्षा दसवीं के छात्र सागर सिंह द्वारा बनाया विज्ञान मॉडल एनसीईआरटी राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए 2023 के लिए चयनित हुआ है , यह मॉडल

आईसीटी इनोवेशन केटेगरी में सम्मिलित हुआ। भौतिक विज्ञान शिक्षक गाइड शिक्षक सोनटके ने बताया की नवोदय विद्यालय समिति द्वारा इस मॉडल का चयन तीन स्तर पर आयोजित हुआ प्रथम स्तर क्लस्टर लेवल का आयोजन जेएनवी बालाघाट मप्र में हुआ था जिसमे कोरबा नवोदय विद्यालय का मॉडल प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्रीय स्तर के लिए चयनित हुआ था जो की जेएनवी विदिशा में आयोजित हुआ था वहा पर इस मॉडल को भोपाल में स्थान रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों द्वारा पुनः इस मॉडल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था और तत्पश्चात इस मॉडल ने नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के आयोजन जो की जेएनवी गाजियाबाद में हुआ जहा पूरे भारत के 08 क्षेत्रीय कार्यालय से आए मॉडलों के बीच सागर सिंह का मॉडल पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस मॉडल के निर्माण में गाइड शिक्षक की भूमिका लोकचंद सोनटके और संतोष चौरसिया ने देखरेख में हुआ था। अधिक जानकारी देते हुए शिक्षक संतोष चौरसिया ने बताया की इनका मॉडल हमारे आस पास नित्य घटित होते आग को डिटेक्ट करने पर आधारित है जिसका अनुमानन लागत लगभग 2000 रुपए है जिसमे विभिन्न प्रकार के सेंसर आदि का प्रयोग किया गया है। विद्यालय की प्राचार्य शांति मोहंती और समस्त शिक्षकों ने दोनो बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर चयन पर खुशी जाहिर किया है और दोनो बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पालकों को बहुत सारी बधाई दी। इस चयन से समस्त छात्र छात्राओं में हर्ष का माहौल है।

बालको के इंजीनियर सस्टेनबिलिटी एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद को दे रहे हैं बढ़ावा

-संवाददाता-
कोरबा,19 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में इंजीनियरों की विविध और कुशल टीम है जो अपनी कार्यकुशलता से कंपनी के प्रचालन को उत्कृष्ट बनाने में योगदान दे रही है। इंजीनियर अपने तकनीकी समझ और विशेषज्ञता से संयंत्र के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हैं साथ ही अपने एल्यूमिनियम स्मेल्टर में अत्याधुनिक तकनीक को अपनाता हैं एवं प्रचालन की उत्कृष्टता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभाशाली इंजीनियर लगातार काम कर रहे हैं। इन्हीं में से एक मेटलर्जिकल इंजीनियर राम प्रताप यादव ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि स्मेलटिंग प्रोसेस (धातु के गलने की प्रक्रिया) के दौरान एल्यूमिना को चमकदार एल्यूमीनियम धातु में परिवर्तित होते देखना काफी आकर्षक है द्य तकनीकी प्रभारी के रूप में मेरी ज़िम्मेदारी पॉटरूम के भीतर स्मेलटिंग प्रोसेस के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में निहित है। मेटलर्जी की विशेषज्ञता मुझे मानक मिश्रण का उपयोग करने में मदद करती है जो हमारे उत्पाद को उत्कृष्ट बनाती है।

बालको में मटेरियल्स इंजीनियर प्रीति शिखा नंदा ने

धातुविज्ञान, अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद गुणवत्ता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि उत्पाद गुणवत्ता मूल्यांकन हमारे उत्पादों में उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के साथ ही कास्टहाउस के संचालन प्रक्रियाओं के मानक में समय पर सुधार भी करते हैं। सामग्री के लिए मेरा जुनून लगातार इस भूमिका में मेरे उत्साह को बढ़ावा देता है, जहां हम सूक्ष्म परीक्षणों के माध्यम से एल्यूमीनियम इंगट्स और वायर रॉड जैसे उत्पादों की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं।

बालको में काम करने वाले सिरेमिक इंजीनियर संकेत कुमार दानी ने कहा कि रिफ्रैक्टरी मटेरियल मुख्य रूप से गैर-धातु से बने होते हैं जो धातु उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हॉल-हेरॉल्ट इलेक्ट्रोलिसिस विधि के माध्यम से एल्यूमीनियम निर्माण प्रक्रिया में एनोड महत्वपूर्ण हैं क्योंकि एनोड बेकिंग भट्ठियों में अत्यधिक तापमान का सामना करते हैं। हम सिरेमिक इंजीनियरों के रूप में उत्पादित एनोड की अस्वीकृति दर को कम करने और अंततः प्रचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए इन रिफ्रैक्टरी मटेरियल के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बालको का पर्यावरण मिशन इसके अग्रणी प्रभावशाली और पर्यावरण-अनुकूल व्यावसायिक नवाचारों में मजबूती से निहित है, जो उद्योग में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। बालको अपने पास मौजूद विविध और विशिष्ट प्रतिभाओं के माध्यम से प्रचालन उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और सिविल इंजीनियरिंग जैसे मुख्यधारा के इंजीनियरिंग से लेकर मेटलर्जिकल, मैटेरियल्स, माइनिंग, सिरेमिक, पॉवर और एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में लगभग 1500 इंजीनियर कपंनी में अपनी सेवा दे रहे हैं। ये व्यक्ति सामूहिक रूप से बालको की प्रचानल क्षमता, नवाचार को बढ़ावा देने और लगातार विकसित हो रहे औद्योगिक परिदृश्य में कंपनी की निरंतर सफलता सुनिश्चित करने का आधार बनते आ रहे हैं।

न्यायालय कार्यपालिका दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर, जिला - कोरिया (छ0ग0)

ईश्तहार

क्रमांक/Q/वाचक 2/2023 बैकुण्ठपुर दिनांक 13/09/2023

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम मुड़ीझरिया की आम जनता व ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुखमनिया पिता/पति जयसिंह जाति गोड़ निवासी मुड़ीझरिया तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा जयसिंह (पति) निवासी मुड़ीझरिया का जन्म/मृत्यु दिनांक 05/07/2021 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 27/09/2023 को 11.00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 13/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

सील — दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0)

न्यायालय कार्यपालिका दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर, जिला - कोरिया (छ0ग0)

ईश्तहार

क्रमांक/Q/ वाचक 2/2023 बैकुण्ठपुर दिनांक 13/09/2023

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम मुड़ीझरिया की आम जनता व ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामदेव पिता/पति समयलाल जाति गोड़ निवासी मुड़ीझरिया तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा सुनिता बाई निवासी मुड़ीझरिया का जन्म/मृत्यु दिनांक 10/08/2022 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 27/09/2023 को 11.00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 13/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

सील — दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0)

CMYK

ऑस्ट्रेलिया से हिसाब बराबर करेगी भारतीय टीम!

» हैरान कर देंगे वनडे सीरीज के रिकॉर्ड

नई दिल्ली,19 सितंबर 2023। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने एशिया कप 2023 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है. अब टीम को अपने ही घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया।

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई सीरीज के बाद अपने ही घर में वनडे वर्ल्ड कप भी खेलना है. ऐसे में टीम इंडिया वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अपना हिसाब बराबर करने के इरादे से सीरीज में उतरेगी

पिछले वर्ल्ड कप से अब तक 3 सीरीज खेली गईं

दरअसल, पिछला वनडे वर्ल्ड कप 2019 में इंग्लैंड की मेजबानी में खेला गया था. तब इंग्लैंड ने ही खिताब जीता था.उस वर्ल्ड कप के बाद से अब तक भारतीय टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली गई है. इस दौरान भारत ने एक और ऑस्ट्रेलिया ने 2 सीरीज पर कब्जा जमाया है.

इस लिहाज से 2019 और 2023 वर्ल्ड कप के बीच भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच यह चौथी द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली जाएगी. यदि इस सीरीज में भारतीय टीम जीत दर्ज करती है, तो दोनों वर्ल्ड कप के दरमियान वनडे सीरीज में दोनों टीमें बराबर हो जाएंगी।

यानी 2019 और 2023 वर्ल्ड कप के बीच खेली गई कुल 4 वनडे सीरीज में भारत और ऑस्ट्रेलिया बराबर 2-2 सीरीज जीत लेंगी.

इस तरह दोनों टीमों के बीच हिसाब बराबर हो जाएगा. यदि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज पर कब्जा जमा

लेती है तो 2019 और 2023 वर्ल्ड कप के बीच वो भारत को 4 में से 3 द्विपक्षीय वनडे सीरीज में हरा देगी. बता दें कि पिछली 3 सीरीज में से दो भारतीय जमीन पर ही खेली गई, जिसमें से भारत ने एक जीती. अब यह अगली सीरीज भी भारत में ही होगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज में हेड-टु-हेड

कुल वनडे सीरीजः 14

ऑस्ट्रेलिया जीताः 8

भारत जीताः 6

भारत में दोनों टीमों के बीच सीरीज में हेड-टु-हेड

कुल वनडे सीरीजः 11

ऑस्ट्रेलिया जीताः 6

भारत जीताः 5

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीमः

पहले 2 मैचों के लिए टीमः

केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव,तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

तीसरे मैच के लिए टीमः

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), विराट कोहली, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल (चोट से ठीक होने पर), वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज.

वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा.

भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज का शेड्यूलः

पहला वनडे- 22 सितंबर - मोहाली

दूसरा वनडे- 24 सितंबर - इंदौर

तीसरा वनडे- 27 सितंबर - राजकोट

आयरलैंड के खिलाफ पहले वनडे में खेलेंगे जो रूट

मेलबर्न,,19 सितंबर 2023। भारत में अगले महीने से शुरू होने वाले वनडे विश्वकप से पूर्व फॉर्म में लौटने की कवायद मे इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट बुधवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में खेलेंगे।

इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ जॉक क्राउली की अगुवाई में पहले जिस 13 सदस्यीय टीम का चयन किया था उसमें विश्व कप के लिए चुनी गई टीम का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था, लेकिन रूट ने पहले वनडे में खेलने की इच्छा जताई जिसके बाद उन्हें हैरी ब्रूक की जगह टीम में शामिल किया गया। ब्रूक पहले विश्वकप की संभावित टीम में नहीं थे लेकिन रविवार को उन्हें जैसन राय की जगह मुख्य टीम में शामिल कर दिया गया।

इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा कि रूट ने आयरलैंड के खिलाफ पहले वनडे में खेलने की इच्छा जताई थी।

राइट ने कहा,'' वह क्रीज पर कुछ और समय बिताना चाहते हैं और यह अच्छी बात है कि कोई खिलाड़ी अपनी तरफ से अधिक से अधिक योगदान देने की इच्छा रखता है। जब हम सोच रहे थे कि उन्हें थोड़ा विश्राम की जरूरत है तब वह एक और मैच में खेलने की इच्छा रखते हैं।'' रूट हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने पहले तीन मैचों में छह, शून्य और चार रन बनाए जबकि चौथे वनडे में 40 गेंदों पर 29 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली थी। पिछले विश्वकप के बाद वह केवल 16 वनडे मैचों में ही बल्लेबाजी कर पाए हैं।

वर्ल्ड कप से शादाब खान का पत्ता कटेगा!

» पाकिस्तान टीम में अबरार अहमद को मिल सकता है मौका

जहानाबाद,19 सितंबर 2023। पाकिस्तान के खिलाड़ी शादाब खान का एशिया कप में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। जिस कारण उनके वर्ल्डकप टीम में शामिल होने पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। शादाब ने पूरे टूर्नामेंट में केवल तीन विकेट लिए जिससे पाकिस्तान सुपर 4 चरण में एशिया कप से बाहर हो गया। पाक कप्तान बाबर आजम कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी निराश हैं और शादाब उनमें से एक हैं। वहीं कहा जा रहा है कि, अबरार अहमद विश्व कप टीम में शामिल होने की दौड़ में हैं।

बोर्ड कुछ प्रशासनिक बदलावों पर भी विचार कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, अपनी बैठक के दौरान मुख्य चयनकर्ता और कप्तान ने अहम खिलाड़ियों की फिटनेस समस्याओं और खराब फॉर्म पर भी चर्चा की।

वहीं अबरार अहमद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान सुर्खियों में आए थे। लेग स्पिनर शादाब की तुलना में अबरार की गेंद तेजी से हवा में घूमती है। इस युवा खिलाड़ी ने केवल टेस्ट प्रारूप खेला है। अबरार ने 6 मैच खेले हैं और 38 विकेट लिए हैं। लंबे प्रारूप में उनकी त्वरित सफलता और अब मुख्या चयनकर्ता इंजमाम उल-हक काफी खुश हैं।

हालांकि, शादाब को वर्ल्ड कप से बाहर नहीं किया जा सकता है। लेकिन उनकी उपकप्तानी खतरें में नजर आ रही है। गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ के रूप में एशिया कप में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण शाहीन अफरीदी को उपकप्तान बनाया जा सकता है। इस मामले में मुख्य चयनकर्ता इंजमाम और कप्तान बाबर जल्द ही पीसीबी अध्यक्ष जाका अशरफ से मीटिंग करने वाले हैं। उनकी मंजूरी के आधार पर फैसला लिया जाएगा। शादाब के अलावा सलामी बल्लेबाज फखर जमान की जगह भी संदेह के गेरे में है। एशिया कप में वह एक भी अर्धशतक बनाने में असफल रहा है।

भारतीय राइफल निशानेबाज निश्चल को रियो विश्व कप में रजत पदक

नई दिल्ली,19 सितंबर 2023। भारत की युवा निशानेबाज निश्चल ने रियो डी जेनेरियो में आईएसएसएफ विश्वकप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता।

उन्होंने प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत को उसका दूसरा पदक दिलाया। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका सीनियर स्तर पर पहला विश्वकप था।

निश्चल ने फाइनल में 458.0 अंक बनाए और वह नार्वे की स्टार निशानेबाज जेनेट हेग डुएस्टेड के बाद दूसरे स्थान पर रही। डुएस्टेड एयर राइफल में मौजूदा यूरोपीय चैंपियन है तथा उनके नाम पर पांच स्वर्ण पदक सहित आईएसएसएफ विश्वकप में कुल 12 पदक दर्ज हैं। वह तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी।

निश्चल ने पूरे दिन भर शानदार प्रदर्शन किया तथा इस बीच महिला 3 पोजीशन के क्वालिफिकेशन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा।

उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,'' यह विश्व कप में मेरा पहला फाइनल था और मैं पदक जीतने में सफल रही, इसलिए इस प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं।''

निश्चल ने एलिमिनेशन राउंड में 587 अंक बनाकर क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाई। उनके अलावा पिछला क्वालिफिकेशन राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अंजुम मोदगिल और आयुषी पोदार भी क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाने में सफल रही।

क्वालिफिकेशन में निश्चल ने 542 अंक बनाए, जिनमें प्रोन पोजीशन में

बनाए गए 'परफेक्ट' 200 अंक भी शामिल हैं। इस तरह से उन्होंने अंजुम का पिछले साल काहिरा में प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 अंक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा। अंजुम ने 586 अंक बनाए और वह 10वें नंबर पर रहकर फाइनल में जगह नहीं बना सकी। आयुषी 580 अंकों के साथ 35वें स्थान पर रही।

फाइनल में कई शीर्ष खिलाड़ियों ने जगह बनाई थी जिनमें डुएस्टेड के अलावा चीन की विश्व चैंपियन वानरू मियाओ, डेनमार्क की 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन स्टेफ़नी रुंडसोई, इटली की ओलंपियन सोफिया सेकेरेलो और पोलैंड की एनेटा स्टैंकिविज़ शामिल थी।

निश्चल पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने शुरू से ही बेहतरीन प्रदर्शन करके डुएस्टेड को आखिर तक कड़ी चुनौती दी। नार्वे की निशानेबाज ने हालांकि अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल करके 461.5 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। वह हरियाणा की निशानेबाज से 3.5 अंक आगे रही। प्रतियोगिता के अंतिम दिन गुरप्रीत सिंह भी एक अन्य पदक स्पर्धा में भाग ले रहे थे। वह हालांकि पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में 574 अंक बनाकर 15वें स्थान पर रहे।

इस तरह से भारत के 16 सदस्यीय दल ने रियो विश्वकप में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। इलावेनिल वलारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था।

चेन्नईयिन एफसी ने सर्बिया के लजार सर्कोविच के साथ अनुबंध किया

चेन्नई ,19 सितंबर 2023। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल प्रतियोगिता के आगामी सत्र से पहले अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत करने के लिए सर्बिया के डिफेंडर लजार सर्कोविच के साथ अनुबंध किया है। लजार सर्कोविच आईएसएल के आगामी सत्र के लिए इस क्लब से जुड़ने वाले पांचवें विदेशी खिलाड़ी हैं। चेन्नईयिन एफसी के मुख्य कोच ओवेन कॉयले ने उम्मीद जताई कि सर्कोविच के टीम से जुड़ने से उनकी रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने क्लब की यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, हम सर्कोविच को क्लब से जोड़कर बेहद खुश हैं। हम पिछले कुछ समय से उन्हें अनुबंधित करने का प्रयास कर रहे थे। क्लब ने उनमें काफी दिलचस्पी दिखाई थी क्योंकि वह शीर्ष स्तर पर खेलते रहे हैं। उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी। उनका क्लब से जुड़ना काफी मायने रखता है। सर्कोविच इससे पहले हंगरी के क्लब बुडापेस्ट होनवेड एफसी की तरफ से खेल रहे थे। उन्होंने अपने करियर में अधिकतर मैच सर्बिया के 'फर्स्ट डिवीजन' में खेले हैं। उन्होंने इस लीग में विभिन्न क्लब की तरफ से 146 मैच खेले हैं।

भारत की पुरुष हॉकी टीम पदक के लक्ष्य के साथ एशियाई खेलों के लिए रवाना

बेंगलुरु,19 सितंबर 2023। भारत की पुरुष हॉकी टीम 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखने के उद्देश्य के साथ हांगझोउ के लिए रवाना हुई।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगा। भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

हरमनप्रीत सिंह एक बार फिर से टीम की अगुवाई करेंगे जबकि हार्दिक सिंह उप कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

हरमनप्रीत ने टीम की रवानगी से पहले कहा, टीम ने एशियाई खेलों के लिए कड़ी मेहनत की है तथा हमने हाल में चेन्नई में समाप्त हुई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। हमारा लक्ष्य प्रदर्शन के इस स्तर को बरकरार रखना है।

उन्होंने कहा, हमें अपने पूल में कुछ कड़े प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना होगा लेकिन हमें अपनी तैयारियों पर भरोसा है और हमें उम्मीद है कि हम पोडियम तक पहुंचने में सफल रहेंगे।

टीम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कृष्ण पाठक शामिल हैं। वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह और संजय रक्षा पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। मध्य पंक्ति में नीलकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित और शमशेर सिंह जबकि अग्रिम पंक्ति में अभिषेक, गुरजंत सिंह, मंदीप सिंह, सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय शामिल हैं।

उपकप्तान हार्दिक ने कहा, हमने टूर्नामेंट से पहले कुछ कड़े अभ्यास सत्रों में हिस्सा लिया और सभी ने एक लक्ष्य के साथ तैयारियां की। हम मानसिक और शारीरिक तौर पर सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। हमारा लक्ष्य हाल के महीनों के अपने अच्छे प्रदर्शन को बरकरार रखना और चीन से पदक के साथ लौटना है।

उज्बेकिस्तान के साथ शुरुआती मुकाबले के बाद भारत 26 सितंबर को सिंगापुर, 28 सितंबर को जापान और 30 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। वह ग्रुप चरण का अपना आखिरी मैच दो अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा।

पाकिस्तान व्ही/एस न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप अभ्यास मैच में फैंस को एंट्री नहीं

» टिकट के पैसे किए जाएंगे वापस

क्वींसलैंड,19 सितंबर 2023। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 29 सितंबर से वर्ल्ड कप अभ्यास मैच खेला जाना है। लेकिन इस अभ्यास मैच में फैंस की मौजूदगी दर्ज नहीं होगी। दरअसल, पर्याप्त सुरक्षा कमी के कारण ये फैसला लिया गया है। कोई भी फैन मैदान में नहीं होगा। ये मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं फैंस को उनके टिकट बुकिंग के पैसे लौटाएगा।

बीसीसीआई के अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, खेल दर्शकों के बिना खेला जाएगा और जिन फैंस ने टिकट बुक किए हैं उनके पैसे वापस कर दिए जाएंगे। पुलिस ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से खेल को स्थगित करने के लिए कहा था। इसकी वजह पर्याप्त सुरक्षा जुटाने में वो सक्षम नहीं होंगे। दरअसल, 28 सितंबर को समाप्त होने वाले त्योहारों गणेश विसर्जन और मिलन उन नबी के कारण ये फैसला लिया गया है। कार्यक्रम पहले ही बदल दिया गया था। आयोजक अनुरोध स्वीकार करने में असमर्थ थे और इसलिए अब ये निर्णय लिया गया है कि दर्शकों की एंट्री पर रोक लगा दी जाएगी।

वहीं सुरक्षा एजेंसियों ने पहले 9 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में होने वाले दो लगातार वर्ल्ड कप 2023 लीग खेलों पर आपत्ति जताई थी। 9 अक्टूबर को इस मैदान पर न्यूजीलैंड बनाम नीदरलैंड के बीच मुकाबला होगा। वहीं 10 अक्टूबर को पाकिस्तान बनाम श्रीलंका के बीच मुकाबला खेला जाना है। एक मैच के लिए लगभग 3,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा और जिस होटल में पाकिस्तान टीम ठहरेगी वहां बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात होंगे।

अजय देवगन,रणवीर सिंह,रोहित शेट्टी ने शुरू की सिंघम अगेन की शूटिंग

रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स बॉलीवुड में सबसे फेमस और सफल फ्रेंचाइजी में से एक फिल्म सिंघम है. इसकी शुरुआत 2011 में अजय देवगन की सिंघम से हुई, इसके बाद 2018 में रणवीर सिंह स्टारर सिम्बा और अक्षय कुमार की सूर्यवंशी आई. ये सभी फिल्में अपने प्रमुख किरदारों के जरिए एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं.अब सिंघम अगेन फ्लोर पर आ गई है. अजय ने ट्विटर पर सेट से तस्वीरें साझा कीं, जहां उनके साथ रणवीर और रोहित भी हैं और वे शूटिंग से पहले पूजा कर रहे हैं. अभिनेता ने लिखा, 12 साल पहले, हमने भारतीय सिनेमा को इसका सबसे बड़ा सिनेमाई कॉप यूनिवर्स दिया था. इतने सालों में हमें जो प्यार मिला है, उससे ताकत मजबूत हुई और सिंघम परिवार बड़ा हो गया. आज हम अपनी फ्रेंचाइजी को आगे ले जाने के लिए एक साथ आए हैं. सिंघम अगेन के साथ.सीरीज़ के डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की. उन्होंने लिखा, सिंघम, सिंघम रिटर्न्स, सिम्बा, सूर्यवंशी. 12 साल पहले, जब हमने सिंघम बनाई थी, तो हमने कभी नहीं सोचा था कि यह एक कॉप यूनिवर्स में बदल जाएगी. आज हम सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू कर रहे हैं. हमारी पुलिस फ्रेंचाइजी की 5वीं फिल्म है. इसमे हम अपनी जान लगा देंगे. बस आपके प्यार और दुआ की ज़रूरत है.

रणवीर सिंह ने सिम्बा में संघराम भालेराव की भूमिका निभाई, सिंह ने भी सिंघम अगेन में अपनी भूमिका को दोहराने के लिए अपना उत्साह शेयर किया. उन्होंने लिखा, शुभारंभ. रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स के मेरे सबसे पसंदीदा किरदारों में से एक - सिम्बा को सिंघमअगेन में दोबारा दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं. हम अपनी नई यात्रा के लिए आपका प्यार और आशीर्वाद चाहते हैं. इस बीच, अक्षय कुमार भारत से बाहर होने के कारण सिंघम अगेन की टीम में शामिल नहीं हो सके. हालांकि, उन्होंने शूटिंग के बारे में ट्वीट किया और लिखा- फिलहाल देश में नहीं, व्यक्तिगत रूप से फ्रेम से गायब हूं लेकिन पूरी तरह से आत्मा में हूं. सिंघम अगेन के सेट पर आप लोगों के साथ जुड़ने का इंतजार नहीं कर सकता. अपनी शुभकामनाएं भेज रहा हूं. जय महाकाल.

फिल्म गणपत का नया पोस्टर हुआ रिलीज, टाइगर श्रॉफ का दिखा एक्शन अवतार

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म गणपत को लेकर सुर्खियों में हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, यह फिल्म टाइगर के प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब निर्माताओं ने गणपत का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें टाइगर का धांसू अवतार देखने को मिल रहा है। पोस्टर में टाइगर को बॉक्सिंग ग्लव्स पहने कैमरे की ओर गुस्से में घूरते देखा जा सकता है। उनके पीछे कई लोगों की भीड़ है। टाइगर के चेहरे पर जुनून और जज्बे का लुक नजर आ रहा है, जिससे इस बात का हिंट मिल रहा है कि फिल्म में रेसलिंग फाइट देखने को मिलेगी। फिल्म में टाइगर के अलावा कृति सैनन और अमिताभ बच्चन भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

टाइगर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर गणपत का नया पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, उसको कोई क्या रोकेगा...जब बप्पा का है उसपे हाथ, आ रहा है गणपथ...करने एक नई दुनिया की शुरूआत। टाइगर श्रॉफ ने बागी, हीरोपंती, द फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल जैसी तमाम फिल्मों में अपने एक्टिंग टैलेंट का हुनर दिखाया है। अब वह विकास बहल की फिल्म गणपत- पार्ट 1 में धमाल मचाते नजर आएंगे। गणपत 20 अक्टूबर को हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन विकास बहल ने किया है। फिल्म का निर्माण दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और वाशु भगनानी मिलकर कर रहे हैं।

फिल्म के बारे में बात करें तो, गणपत टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की साथ में दूसरी फिल्म है. इससे पहले दोनों एकटर्स ने फिल्म हीरोपंती में एक साथ डेब्यू किया था. साथ ही, इस फिल्म में दर्शक अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ को भी एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखने वाले हैं. गणपत के अलावा टाइगर अक्षय कुमार के साथ बड़े मियां छोटे मियां में भी नजर आने वाले हैं.

भाजपा ने सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

पीएससी परीक्षा में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा ने सीबीआई जांच की मांग की है

PSC की परीक्षा में प्रश्नों को लेकर OP चौधरी ने उठाए ये सवाल..

रायगढ़-रायपुर,19 सितंबर 2023 (ए) । भाजपा ने पीएससी परीक्षा को लेकर सरकार पर निशाना साधा है और अपने चहेतों को पास करने का आरोप है. पीएससी परीक्षा में भ्रष्टाचार का आरोप लगते हुए भाजपा ने सीबीआई जांच की मांग की है. इसके साथ ही भजपा ने अन्य मुद्दों पर कांग्रेस और सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा है.

पीएससी परीक्षा में सीबीआईजांच की मांग

भाजपा के संगठन महामंत्री ओपी चौधरी ने बीजेपी कार्यालय एकात्म परिसर में प्रेस वार्ता की है। प्रेस वार्ता में उन्होंने पीएससी परीक्षा में जांच की मांग को लेकर सवाल उठाया. ओपी चौधरी ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगते हुए कहा कि हाल ही में पीएससी का रिजल्ट आया वह बहुत ही निराशाजनक रहा. पीएससी की परीक्षा में सवाल हनुमान सिंह के बारे में पूछा गया था लेकिन लिखा गया वीरनारायण सिंह के बारे में गया था. जिसमें 8 अंक में से 5 अंक मिला है। जिन्होंने सही उत्तर लिखा उन्हें 4 अंक प्रदान किया गया है।

ओपी चौधरी ने पीएससी के पेपर को न जांच करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि अगर जांच हुई है तो जांच ठीक तरह से नहीं हुई है.पीएससी के परीक्षा में अपने चहेते को पास करने की बात कही है. वहीं पीएससी परीक्षा को लेकर भाजपा ने सीबीआई जांच की मांग की है।

महिला आरक्षण पर सीएम बघेल के बयान पर पलटवार

महिला आरक्षण पर सीएम भूपेश बघेल के बयान पर भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने पलटवार करते हुए कहा कि 50 साल तक मौका मिला था, तीन-तीन चौथाई तक बहुमत उनके पास रहा. जब पीएम मोदी प्रगतिशील कामों को कर रहें है तो कांग्रेस जबरदस्ती बीच में आती है. यह केवल तकनीकी मुद्दों में उलझाए रखना चाहते है। महिला आरक्षण को जैसे रोक कर रखे थे वैसे ही आगे उलझाकर रखना चाहते है। पाटन में परिवर्तन यात्रा और भिलाई में प्रियंका गांधी के कार्यक्रम पर ओपी चौधरी ने कहा कि एक तरफ भाजपा महिला और बहनों के लिए प्रस्ताव पास कर रही है। दूसरी तरफ प्रियंका गांधी आ रही है। उन्हें जवाब देना चाहिए जब रायपुर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी हुई थी। तब उनके पीए ने कांग्रेस में काम करने वाली एक कार्यकर्ता बहन के साथ छेड़खानी की थी। तब अपने प्रदेश में उन्होंने एफआईआर दर्ज कराया था. उनके साथ न्याय क्यों नहीं किया इसका जवाब देना चाहिए।

सीएम भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए ओपी चौधरी ने कहा कि भाजपा के गृह मंत्री अमित शाह बहुत से जिम्मेदारियों में रहते है. अनायास जिम्मेदारी आने के कारण स्थिति उत्पन्न हुई थी। उसके बाद भी हमारे नेता लगातार छग में आ रहे है. पीएम मोदी की सभा में मूसलाधार बारिश की बीच लोग पहुंचे. कांग्रेस के सत्ता से बेदखली का समय आ गया है. इस प्रकार अनर्गल बयान कांग्रेस देती रहती है।

सीएम भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार

सीएम बघेल के ट्रेन रद्द पर दिए गए बयान पर ओपी चौधरी ने कहा कि ट्रेन व्यवस्था को सुचारू करने के लिए रेल मंत्रालय लगातार प्रयासरत है। आजादी के बाद 50 वर्षों तक अधोरसंरचन विकास कांग्रेस सरकार ने नहीं किया है। उसको दुरुतगति से करने का काम पीएम मोदी की सरकार कर रही है. आज अधोसंरचना विकास, इलेक्ट्रूफिकेशन और अलग रेल लाइनें बिछाने का काम कर रहा है. उसमें कुछ दिक्कतें आ रही है पर ट्रेनों के ऑपरेशन को सुचारू रूप से चलाने का प्रयास किया जा रहा है.

नुआखाई पर आज अवकाश की घोषणा

रायपुर,19 सितंबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नुआखाई पर अवकाश की घोषणा करते हुए आदेश जारी किया है। दरअसल शासन ने ऐच्छिक अवकाश की सूची के सरल कमांक 34 में दिनांक 22 सितंबर, 2023 दिन शुक्रवार को नवाखाई के लिए ऐच्छिक अवकाश घोषित किया गया था। अब आंशिक संशोधन करते हुए नवाखाई हेतु दिनांक 22 सितंबर, 2023 दिन शुक्रवार के स्थान पर 20 सितंबर, 2023 दिन बुधवार को ऐच्छिक अवकाश घोषित किया है।

एक्सिस बैंक मैनेजर को चाकू मारकर 5 करोड़ की लूट

रायगढ़-रायपुर,19 सितंबर 2023 (ए)। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक्सिस बैंक में अज्ञात लुटेरों ने बैंक मैनेजर को चाकू मारकर तथा बैंक कर्मियों को बंधक बनाकर करीब 5 करोड़ रूपए लूट कर भाग निकले।

पुलिस सूत्रों की माने तो घटना तकरीबन 8 बजे की बताई जा रही है। इस दौरान सभी आरोपियों ने बैंक के अंदर घुसे। जिसके बाद बैंक में मौजूद ग्राहकों को कमरे में बंद कर दिया। बैंक में मौजूद मैनेजर को चाकू से हमला किया गया। जिसके बाद डकैत रकम लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार मामला, रायगढ़ जिले के कोतवाली थाना का मामला है। हांलकि बैंक से कितनी रकम गायब हुई। इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन कयास लगाया जा रहा है कि लगभग पांच करोड़ रुपए की डकैती हुई है।

फ्लिहाल सूचना के बाद पुलिस की टीम बैंक पहुंची हुई है और बैंक मैनेजर को अस्पताल में भर्ती करवाकर मामले की जांच कर रही है।

अब तो बैंक भी सुरक्षित नहीं,क्या यही है गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ : बृजमोहन अग्रवाल

पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने रायगढ़ में बैंक डकैती की घटना पर चिंता जताई है। वहीं भूपेश सरकार की लचर कानून पर सवाल उठाया है। बृजमोहन ने कहा कि भूपेश बघेल जी अब तो छत्तीसगढ़ में बैंक भी सुरक्षित नहीं है। छत्तीसगढ़ में इससे पहले बैंक लूट की इस तरह की घटना नहीं हुई है। बैंक के मैनेजर को चाकू मार दिया गया। भूपेश बघेल आप छत्तीसगढ़ को कहा ले जाएंगे। क्या यही है गढ़बो नवा छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ को आपने लूट का, अपराध का केंद्र बना दिया है। शर्म करो बघेल जी।

पीएससी गड़बड़ी मामले में हाईकोर्ट सख्त

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

रायपुर,19 सितंबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ पीएससी में बेटे-बेटियों और रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी बनाने को लगाई गई चाचिका पर बिलासपुर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। बता दें इस मामले में पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक ननकीराम कंवर ने यह याचिका लगाई है। आज चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने इसे पहला केस लिया।

मिली जानकारी के अनुसार कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पीएससी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि कोर्ट ने स्टे देने के बजाय यथास्थिति रखने कहा है। बता दें कि पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने अपनी याचिका में राजभवन के सचिव अमृत खलको के बेटा और बेटी के डिप्टी कलेक्टर बनने पर सवाल खड़ा किया है। इतना ही नहीं उन्होंने पीएससी चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के कई रिश्तेदारों के भी सलेक्शन पर प्रश्न खड़ा करते हुए कहा है कि पीएससी में जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों ने न सिर्फ रेवड़ियों की तरह नौकरियां नहीं बांटी है बल्कि इसकी आड़ में करोड़ों का भ्रष्टचार किया है।

मलकीत हत्याकांड के विरोध में निकाली पदयात्रा,चक्काजाम कर मांगा इंसाफ

कांग्रेस नेता भिलाई हत्याकांड मामले में गिरफ्तार

भिलाई. खुर्सीपार थाना क्षेत्र में मलकीत सिंह हत्त्या के मामले में पुलिस ने पांचवे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कांग्रेस नेता शुभम शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले पुलिस चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। चार दिन पहले सिख युवक की हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद 18 सितंबर को सिख पंचायत ने दुर्ग-भिलाई बंद करने का आव्हान किया था। इसका समर्थन करने के लिए भाजपा और चेम्बर ऑफ कॉमर्स सामने आया था। हालांकि आंदोलन करने के बाद सरकार की तरफ से मुआवजा दिया गया था।

15 और 16 सितंबर के बीच भिलाई के आईटीआई मैदान में 7-8 लोगों ने मलकीत सिंह के साथ मारपीट की थी। इस मसले को लेकर पुलिस ने अब तक एक नाबालिग समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक मलकीत सिंह गुदर 2 मूवी देख रहा था। इस दौरान मृतक मलकीत ने हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहा था। इसी बीच मृतक और आरोपियों में झगड़ा हो गया और विवाद इतना बढ़ गया कि, आरोपियों ने मलकीत को अधमरा कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के वक्त उसकी मौत हो गई।

भिलाई,19 सितंबर 2023 (ए)। खुर्सीपार आईटीआई मैदान के पास 15 सितंबर की रात को हुई मलकीत सिंह की हत्या के बाद तीसरे दिन भी क्षेत्र में तनाव का माहौल है। लगातार तीसरे दिन पीड़ित परिवार के साथ पूरा सिख समाज व स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। मलकीत सिंह की हत्या के विरोध में खुर्सीपार में आज पदयात्रा निकाली गई। वहीं खुर्सीपार थाने के पास चक्काजाम भी किया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन मुस्तैद रही और किसी तरह से चक्काजाम को खत्म कराया।

बता दें खुर्सीपार में मलकीत की हत्या के बाद माहौल बेहद तनाव पूर्ण बना हुआ है। भाजपा नेता पीड़ित परिवार के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। पीड़ित परिवार पहले दिन से ही 50 लाख रुपए मुआवजा और आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग पर अड़ा है। हालांकि इस बीच सरकार की ओर पांच लाख रुपए की सहायता व स्थाई सविंदा नियुक्ति देने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में पीडित परिवार को बैठाकर बताया गया लेकिन सरकार के ऑफर को पीड़ित परिवार ने ठुकरा दिया। इसके बाद सोमवार को तीसरे दिन भी पीडित परिवार के लोग प्रदर्शन कर इंसाफ मांग रहे हैं।

पदयात्रा निकालकर दोषियों के लिए फांसी की मांग

खुर्सीपार में पीडित परिवार के साथ क्षेत्र के लोगों ने पदयात्रा निकाली। इस दौरान लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। गुंडागर्दी खत्म करने व दोषियों को फांसी देने की मांग पदयात्रा के दौरान नारेबाजी के साथ की गई। खुर्सीपार थाने से शुरू हुई पदयात्रा न्यू खुर्सीपार, जोन-3, जोन-2, श्रीराम चौक होते हुए केनाल रोड से खुसीपार थाने पहुंचकर खत्म हुआ। इस दौरान पीड़ित परिवार के साथ लोगों ने दुर्ग से रायपुर मार्ग पर चक्काजाम भी कर दिया। लगभग आधे घंटे तक सड़क पर डटे रहे। इस दौरान पुलिस की समझाइश के बाद जाम हटाया। फ्लिहाल सभी खुर्सीपार थाने में डटे हुए हैं।

धान बेचने के लिए किसानों का पंजीयन 31 अक्टूबर तक

रायपुर,19 सितंबर 2023 (ए)। राजधानी सहित प्रदेशभर में धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन शुरू कर दिया गया है। इसके तहत किसान 31 अक्टूबर तक पंजीयन करवा सकते हैं। वहीं, इस बार नई व्यवस्था के साथ बायोमेट्रिक आधार पर ही पंजीयन व धान की खरीदी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही किसानों को नामिनी का भी विकल्प दिया गया है, ताकि किसानों की अनुपस्थिति में उनके नामिनी धान की बिक्री आसानी से कृषि उपज मंडियों में कर सकें।

नई व्यवस्था के तहत किसान अधिकतम पांच नामिनी तय कर सकते हैं, जो कि उनकी अनुपस्थिति में धान बेच सकेंगे। जिसमें उसकी मां, पिता, पति, पत्नी, पुत्र, दामाद, बेटी, बहू, सगे भाई, बहन व अन्य करीबी रिश्तेदार हो सकते हैं। इन सभी रिश्तेदारों के अलावा किसान किसी अन्य को नामिनी नियुक्त नहीं कर सकेगा। यह नई व्यवस्था बिचौलियों से बचने और धान की खरीदी बिक्री में हर वर्ष आ रही धांधली को देखकर लाई गई है।

आधार कार्ड जरूरी

नामिनी बनाने के दौरान किसान जिस किसी भी रिश्तेदार या फिर परिवार के किसी सदस्य को अपना नामिनी नियुक्त करता है, तो उसे उनका आधार कार्ड देना अनिवार्य होगा। वहीं, कृषि उपज मंडी में धान खरीदी से पहले उनका बायोमैट्रिक आथेंटिकेशन किया जाएगा, इसके बाद ही उक्त नामिनी धान बेच सकता है। इसके अलावा किसान के लिए भी यही व्यवस्था लागू होगी।

पंजीयन के लिए यह दस्तावेज जरूरी

ऋण पुस्तिका
बी-1
आधार नंबर
पासबुक की छायाप्रति

संशोधन के लिए 30 सितंबर तक आवेदन

उपरोक्त दस्तावेज जमा करने के बाद ही किसान बिक्री कर सकेगा। दस्तावेजों के परीक्षण व सत्यापन के बाद सहकारी समिति द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल में किसानों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन में संशोधन के लिए 30 सितंबर तक समिति में आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। नए पंजीयन व पंजीकृत फसल या रकबे में संशोधन का काम 31 अक्टूबर तक पूरा करना होगा।

सर्दी-खांसी से ग्रसित मासूम को लगाया इंजेक्शन,हुई मौत

बिलासपुर,19 सितंबर 2023 (ए)। बिलासपुर में सर्दी-खांसी से पीड़ित सात माह के मासूम बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा मचाया और डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। परिजनों के मुताबिक अस्पताल में बच्चे को नेबुलाइज किया जा रहा था। इस दौरान इंजेक्शन भी लगाया गया, जिसके बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ गई। फिर उसे आईसीयू में ले जाया गया और उसकी मौत हो गई। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

कोनी निवासी रजनीकांत गुप्ता ने बताया कि उनके सात महीने के बेटे को सर्दी-खांसी हो गई थी। सोमवार को उसे लेकर इलाज कराने के लिए वेयर हाउस रोड स्थित उदय चिल्ड्रन अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर राकेश साहू ने जांच के बाद बच्चे को नेबुलाइज करने के लिए कहा। साथ ही अपने स्टाफ को इंजेक्शन लगाने के लिए बोला। इस दौरान परिजन से कहा गया कि कुछ दिनों तक इलाज के बाद वह ठीक हो जाएगा। डॉक्टर के कहने पर रजनीकांत अपने मासूम बच्चे को नेबुलाइजेशन के लिए लेकर गए। मशीन से भाप देने के बाद बच्चे को इंजेक्शन लगाया गया, जिसके कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद स्टाफ ने उसे आईसीयू में शिफ्ट किया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एक लाख के इनामी के साथ छः नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा,19 सितंबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नक्सलियों के पुनर्वास के लिए कई तरह की योजनाएं संचालित की जा रही है। जिससे प्रभावित होकर नक्सली हथियार छोड़कर अब मुख्यधारा से जुड़ने लगे हैं। छत्तीसगढ़ के नवे सल प्रभावित सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ पुना नर्कोम जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिससे प्रभावित होकर एक लाख का इनामी समेत छह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के मुताबिक नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित करने में 131 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है। नक्सली संगठन में सक्रिय छह नक्सलियों क्रमश सुक्का (मिलिशिया कमांडर एलमागुंडा आरपीसी एक लाख का इनामी है। वहीं मंगा सन्ना, लखमा मिलिशिया सदस्य सदस्य है। इसी तरह नंदा (डीएकेएमएस सदस्य, एलमागुण्डा, कोसा डीएकेएमएस सदस्य ने नक्सल आपरेशन कार्यालय सुकमा में मौली मोहन कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी 131 वाहिनी सीआरपीएफ व उत्तम प्रताप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक सुकमा के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया है। सभी आत्मसमर्पित नक्सली थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न नक्सली गतिविधियों में सम्मिलित रहे हैं, आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की पुनर्वास योजना के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

मंत्री कवासी लखमा ने नोटों की गड्डी मामले में दिया बड़ा बयान

रायपुर,19 सितंबर 2023 (ए)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमाई हुई है। चुनाव से पहले विधायक रामकुमार यादव का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वो नोटों के बंडल के साथ नजर आ रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी पार्टियों का आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इसी बीच बीजेपी के आरोपों पर मंत्री कवासी लखमा का बड़ा बयान सामने आया है। मंत्री लखमा ने कहा कि वे गरीब हैं, जिसके पास पत्नी नहीं, एक एकड़ जमीन नहीं, उसे परेशान कर रहे। रामकुमार यादव के रूक बनने से बीजेपी को दर्द हो रहा है। ओपी चौधरी ने बस्तर में पैसा खाया वे डरकर बीजेपी में शामिल हुए। रामकुमार यादव को ये जितना परेशान करेंगे, उसका फायदा कांग्रेस को होगा। आपको बता दें कि इससे पहले वं मंत्री अजय चंद्राकर ने ट्वीट कर तंज कसा। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पार्टी से सवाल करते हुए तंज कसा कि मुख्यमंत्री से पूछा कि इस वीडियो की सच्चाई क्या है? आपको खुद सामने आकर बताना चाहिए।

पोस्ट मैट्रिक छात्रावास की व्यवस्था बदहाल

- आलू-करेला की सब्जी खाकर बीमार पड़े बच्चे
- अस्पताल में कराना पड़ा भर्ती

कोंडागांव,19 सितंबर 2023 (ए)। कोंडागांव पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में निवासरत 25 बच्चे सोमवार सुबह खाना खाने के बाद एक अचानक बीमार पड़ गए. बच्चों को तत्काल जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया. समय पर मिले उपचार के बाद अधिकांश बच्चों को डिस्चार्ज कर दिया गया. वर्तमान में जिला अस्पताल में चार बच्चों का उपचार जारी है।

कोंडागांव स्थित पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में 137 विद्यार्थी रहकर पढ़ाई करते हैं. सोमवार सुबह इन बच्चों को खाने में करेला और आलू की सब्जी के साथ चावल दिया गया था. छात्रावास अधीक्षक बृजलाल नाग ने बताया कि खाना खाने के बाद एक-एक कर 25 बच्चे बीमार पड़ गए. अधिकांश बच्चे सिरदर्द और बुखार की शिकायत कर रहे थे, वहीं कुछ बच्चों को उल्टी और दस्त की शिकायत थी. इन बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उपचार के बाद 25 में से 21 बच्चे ठीक हो गए, जिन्हें उनके घर भेज दिया गया, वहीं जिला अस्पताल में अभी भी चार बच्चों का इलाज जारी है, जिनमें कामेश्वर बघेल, बैजन सोरी, दिनेश मरकाम, देवेन्द्र कश्यप शामिल हैं। बच्चों का इलाज कर रहे जिला अस्पताल कोंडागांव में पदस्थ डॉ. राजेश बघेल ने बताया कि मामला फूड पॉइजनिंग का लग रहा है. बच्चें उल्टी-दस्त और बुखार से पीड़ित है. सभी बच्चे की स्थिति ठीक है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)